PRGI No. UPHIN/25/A1698

नवसर्जन संस्कृति

नवसर्जन संस्कृति

PUBLISHED HIINDI DAILY FROM LUCKNOW

वर्ष : 02
अंक : 057
दि. 26.06.2026,
शुक्रवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

अमेजन ने मिलाया पीएम मोदी से हाथ, भारत में ₹450000 करोड़ निवेश करेगी कंपनी, 38 लाख नौकरियों के अवसर

ई-कॉमर्स कंपनी अमेजन के सीईओ ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। उन्होंने बताया कि कंपनी अगले कुछ सालों में भारत में करीब 4.50 लाख करोड़ रुपये खर्च करेगी। साथ ही लाखों नौकरियों के भी मौके मिलेंगे।

(जीएनएस)।

नई दिल्लीः ई-कॉमर्स कंपनी अमेजन के सीईओ अमेजन एंडी जेसी ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। इस दौरान जेसी ने भारत के प्रति कंपनी की प्रतिबद्धता दोहराई। जेसी ने कहा कि अमेजन भारत में अपने विस्तार और कारोबार को सपोर्ट करने के लिए साल 2026 से 2030 तक कुल 48 अरब डॉलर (करीब 4.50 लाख करोड़ रुपये) निवेश करेगी। इससे लाखों नौकरियों के अवसर पैदा होंगे।

जेसी ने देश में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और क्लाउड इंफ्रास्ट्रक्चर के विस्तार के लिए साल 2030 तक अतिरिक्त 13 अरब डॉलर निवेश का ऐलान भी किया। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एंडी ने पीएम मोदी से मुलाकात की तस्वीर पोस्ट करते हुए लिखा, 'प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ अमेजन के भारत में भविष्य की योजनाओं को लेकर हुई मुलाकात बेहद अच्छी रही। हम एक दशक से अधिक समय से भारत में ग्राहकों, विक्रेताओं, डेवलपर्स, स्टार्टअप्स और उद्योगों को सेवाएं दे रहे हैं और अभी हमारी यात्रा की शुरूआत ही हुई है।'

क्या है अमेजन की प्लानिंग?

जेसी ने कहा कि अमेजन आने वाले पांच वर्षों में भारत में 48 अरब डॉलर का निवेश कर रहा है, जिसमें 21 अरब डॉलर से अधिक निवेश एआई और क्लाउड इंफ्रास्ट्रक्चर के क्षेत्र में किया जाएगा।

साल 2030 तक अमेजन की योजना 38 लाख नौकरियां उपलब्ध

कराने, 80 अरब डॉलर के ई-कॉमर्स निर्यात को सक्षम बनाने और 1.5 करोड़ छोटे व्यवसायों तथा 40 लाख सरकारी स्कूल छात्रों तक एआई के लाभ पहुंचाने की है।

बड़ा निवेश कर रही अमेजन

अमेजन की आधिकारिक साइट पर दी गई जानकारी के अनुसार, इस नए निवेश के साथ 2026 से 2030 के बीच भारत में एआई और क्लाउड इंफ्रास्ट्रक्चर को बढ़ाने के लिए अमेजन का कुल नियोजित निवेश 21 अरब डॉलर से अधिक हो जाएगा। कंपनी के अनुसार, यह भारत में एआई और क्लाउड क्षेत्र में सबसे बड़े वैश्विक निवेशों में से एक होगा।

अमेजन वेब सर्विसेज (एडब्ल्यूएस) के डेटा सेंटर नेटवर्क को मुंबई और हैदराबाद में विस्तार दिया जाएगा। इससे स्टार्टअप, बड़े उद्योग और सरकारी संस्थानों को एआई चिप्स, प्रबंधित एआई सेवाओं, सुरक्षित क्लाउड तकनीक और डेवलपर टूल्स तक बेहतर पहुंच मिलेगी।

कुल निवेश 88 अरब डॉलर से ज्यादा

कंपनी ने बताया कि 2010 से 2030 तक भारत में उसका कुल निवेश 88 अरब डॉलर से अधिक हो जाएगा। इसके अलावा अमेजन अपने ई-कॉमर्स और क्विक कॉमर्स नेटवर्क को मजबूत करने के लिए भी निवेश जारी रखेगा।

अमेजन इस साल देशभर में 20 से ज्यादा नए फुलफिलमेंट सेंटर और 100 से अधिक नए लास्ट-माइल डिलीवरी स्टेशन शुरू करने की योजना बना रहा है। इससे खासकर टियर-3 और टियर-4 शहरों में ग्राहकों को तेज और भरोसेमंद डिलीवरी सुविधा मिलेगी।

कंपनी ने डिलीवरी कर्मचारियों के कल्याण के लिए 'सम्मान' नाम से एक विशेष कार्यक्रम भी शुरू करने की घोषणा की है। अमेजन के अनुसार, भारत में कंपनी ने अब तक 1.2 करोड़ छोटे व्यवसायों को डिजिटल बनाया है और 20 अरब डॉलर से अधिक के ई-कॉमर्स निर्यात को सक्षम किया है। कंपनी ने 1 करोड़ से अधिक भारतीयों को क्लाउड स्किल्स देती है।

सभी राज्यों में शुरू होगी ई-जीरो एफआईआर', साइबर फ्रॉड पर पीएम का सख्त निर्देश

(जीएनएस)।

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशभर में बढ़ रहे साइबर अपराधों और ऑनलाइन धोखाधड़ी को लेकर सख्त रुख अपनाया है। पीएम मोदी ने 52वीं प्रगति मीटिंग की अध्यक्षता की। इस दौरान उन्होंने साइबर फ्रॉड पर नकेल कसने के लिए ई-जीरो एफआईआर दर्ज करने के निर्देश दिए।

दरअसल, पीएम मोदी के नेतृत्व में हुई इस बैठक का मुख्य फोकस डिजिटल सिक्योरिटी को सख्त बनाना था। पीएम मोदी ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे प्रत्येक राज्य के मुख्य सचिव और डीजीपी से इस मामले पर चर्चा करें ताकि ई-जीरो एफआईआर को देश भर में तेजी से लागू किया जा सके।

सभी राज्यों के मुख्य सचिवों की उपस्थिति में हुई प्रगति की मीटिंग में साइबर अपराध और डिजिटल गिरफ्तारी से संबंधित शिकायतों की समीक्षा करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि वे ई-जीरो एफआईआर की प्रगति की समीक्षा करेंगे। इन एफआईआर से जांचकर्ताओं को उन अपराधियों के खिलाफ तुरंत जांच शुरू करने में मदद मिलती है, जिनका सुराग जल्द ही गायब हो सकता है।

गौरतलब है कि भारत सरकार के गृह मंत्रालय द्वारा नई e-Zero FIR पहल की शुरूआत की गई है। यह भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र (NCRP) की एक पहल है जो सत्यापित, उच्च मूल्य वाले साइबर वित्तीय धोखाधड़ी की शिकायतों को स्वतः Zero FIR में बदल देती है।

इससे पीड़ितों को न्यायिक बाधाओं से बचने और धोखाधड़ी वाले लेनदेन की जांच और अवरोधन में तेजी लाने में मदद मिलती है।

प्रधानमंत्री कार्यालय द्वारा जारी एक आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया है कि पीएम मोदी ने नागरिकों को धोखा देने के लिए डिजिटल प्लेटफॉर्मों के बढ़ते दुरुपयोग पर चिंता व्यक्त की और इस बात पर जोर दिया कि ऐसे मामलों में सभी संबंधित एजेंसियों द्वारा समन्वित, संवेदनशील और समयबद्ध तरीके से कार्रवाई की आवश्यकता है।

'कुरान के आधार पर बने कानून' सना मलिक के बयान पर भड़के नितेश राणे, बोले- पाकिस्तान जाने का टिकट दिया जाएगा

महाराष्ट्र विधानसभा की कार्यवाही के दौरान सत्ताधारी महायुति गठबंधन के भीतर वैचारिक मतभेद खुलकर सामने आ गए हैं। अजीत पवार गुट की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (ठउढ) की विधायक सना मलिक द्वारा हाल ही में दिए गए एक बयान ने राज्य की राजनीति को गरमा दिया है। सना मलिक ने मुस्लिम पारिवारिक मामलों में कुरान और शरीयत पर आधारित कानूनों के क्रियान्वयन की पैरवी की है।

रामगढ़ में दर्दनाक सड़क हादसा, शादी से लौट रहे बैंड पार्टी के 7 कलाकारों की मौत

(जीएनएस)।

झारखंड के रामगढ़ जिले में 25 जून की देर रात एक खौफनाक सड़क हादसे में सात लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। यह भीषण दुर्घटना रामगढ़-बोकारो मार्ग पर रजरप्पा थाना क्षेत्र के लारी इलाके में हुई, जहां एक तेज रफ्तार ट्रक और सवारी गाड़ी के बीच सीधी और भीषण भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि सवारी गाड़ी में सवार सात लोगों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया, जिससे पूरा इलाका दहल उठा।

रामगढ़ पुलिस से मिली प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, हादसे का शिकार हुए लोग एक ताशा पार्टी (बैंड बाजा बजाने वाले कलाकारों का समूह) के सदस्य थे, जो एक शादी समारोह या अन्य कार्यक्रम समाप्त होने के बाद वापस अपने घरों की तरफ लौट रहे थे।

इस दर्दनाक हादसे में एक अन्य व्यक्ति बुरी तरह घायल हो गया है,

जिसे आनन-फानन में स्थानीय लोगों और पुलिस की सहायता से नजदीकी रामगढ़ सदर अस्पताल ले जाया गया।

रामगढ़-बोकारो ठऌ-23 पर आधी रात को जोरदार टक्कर

यह पूरी दुर्घटना रात करीब 12 बजे के आसपास की बताई जा रही है। विपरीत दिशा से आ रहे एक भारी मालवाहक ट्रक और ताशा पार्टी के सदस्यों को लेकर जा रही सवारी गाड़ी के बीच रजरप्पा के लारी के पास आमने-सामने टक्कर हुई। रात का अंधेरा होने और दोनों वाहनों की तेज रफ्तार के चलते चालकों को संभलने का न्यूनतम समय भी नहीं मिल सका। तेज धमाके की आवाज सुनकर स्थानीय ग्रामीण घरों से बाहर निकल आए।

हादसे की सूचना जैसे ही स्थानीय लोगों को मिली, वे बिना समय गंवाए राहत और बचाव कार्य में जुट गए। घटनास्थल पर चीख-पुकार का माहौल था। सूचना मिलते ही रजरप्पा थाना पुलिस की टीम भी मौके पर पहुंच गई।

यूपी बनेगा 'समृद्ध भारत' का इंजन, लखनऊ में खुलेगा क्लीन प्लांट सेंटर; सीएम योगी और शिवराज सिंह चौहान ने तैयार किया नया कृषि रोडमैप

(जीएनएस)।

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के बागवानी और कृषि क्षेत्र को नई दिशा देने के लिए केंद्र और राज्य सरकार ने एक मजबूत 'कृषि रोडमैप' तैयार किया है। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने लखनऊ में 'क्लीन प्लांट सेंटर' (उ'ींल्ल ढ'ल्ल३ उील्ल३ी१) स्थापित करने का बड़ा ऐलान किया है। इस सेंटर का मुख्य उद्देश्य किसानों को उच्च गुणवत्ता वाले और रोगमुक्त पौधे उपलब्ध कराना है, जिससे प्रदेश में बागवानी का दायरा बढ़ेगा और किसानों की आय में सीधा इजाफा होगा।

गुरुवार को लखनऊ स्थित योजना भवन में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान की मौजूदगी में कृषि और ग्रामीण विकास योजनाओं की संयुक्त समीक्षा बैठक हुई। बैठक को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री ने स्पष्ट किया कि 'विकसित भारत' का सपना बिना 'समृद्ध उत्तर प्रदेश' के पूरा नहीं हो सकता। उन्होंने कहा कि कभी 'बीमारू' कहे जाने वाले उत्तर प्रदेश ने पीएम मोदी और सीएम योगी के नेतृत्व में विकास के नए प्रतिमान स्थापित

किए हैं। आज यूपी जिस गति से ग्रामीण और कृषि विकास की ओर बढ़ रहा है, वह पूरे देश के लिए एक रोल मॉडल है।

बैठक में किसानों के हित में दो बड़े फैसले लिए गए। पहला, न्यूनतम समर्थन मूल्य (टरढ) पर चना, मसूर और सरसों की सरकारी खरीद की अवधि बढ़ा दी गई है, जिसका आशय पत्र केंद्रीय मंत्री ने सीएम योगी को सौंपा। इससे किसानों को अपनी उपज बेचने का अधिक अवसर मिलेगा। दूसरा बड़ा ऐलान ग्रामीण विकास को लेकर हुआ, जहाँ 'प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण)' के आगामी चरण के लिए 6,18,482 पात्र लाभार्थियों की सूची यूपी सरकार को सौंपी गई। सीएम योगी ने पारदर्शी तरीके से हर पात्र को घर देने की प्रतिबद्धता दोहराई।

बैठक का एक अहम हिस्सा भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (ICAR) का प्रस्तुतीकरण रहा। कउअफ के महानिदेशक ने बताया कि वर्तमान में यूपी की कृषि अर्थव्यवस्था 7.41 ट्रिलियन रुपये की है। लक्ष्य है कि वर्ष 2047 तक इसे 96.96 ट्रिलियन रुपये तक पहुँचाया जाए। इसके लिए कृषि वृद्धि दर को 3.19% से बढ़ाकर 5.41% करना होगा। रोडमैप में धान और गेहूं पर निर्भरता कम कर दलहन, तिलहन, मोटे अनाज और मक्का की खेती पर जोर देने (कृषि विविधीकरण) की सलाह दी गई।

तकनीक, सिंचाई और सॉयल हेल्थ कार्ड पर जोर

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि 'सॉयल हेल्थ कार्ड' केवल कागज तक सीमित न रहे, बल्कि किसानों को मिट्टी की असल स्थिति और उर्वरकों के संतुलित उपयोग के प्रति जागरूक किया जाए।

बैठक में ड्रोन, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) और डिजिटल कृषि प्लेटफॉर्म के उपयोग को 2047 तक 75% तक बढ़ाने का लक्ष्य रखा गया। साथ ही, जल संरक्षण को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए 'क्रिटिकल ब्लॉक्स' में मिशन मोड पर काम करने के निर्देश दिए गए।

पीएम मोदी खुद जाएं अयातुल्ला अली खामनेई के जनाजे में', ओवैसी बोले- दुनिया को जाएगा मजबूत संदेश

असदुद्दीन ओवैसी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से अपील की है कि यदि ईरान की ओर से औपचारिक निमंत्रण मिले तो वह सर्वोच्च नेता के जनाजे में स्वयं शामिल हों। उन्होंने कहा कि इससे भारत की स्वतंत्र विदेश नीति और ईरान के साथ मजबूत रिश्तों का संदेश जाएगा।

(जीएनएस)।

नई दिल्लीः अक्टक्ट चीफ असदुद्दीन ओवैसी ने शुक्रवार को हैदराबाद में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से एक बड़ी अपील की है। उन्होंने कहा है कि अगर तेहरान की ओर से औपचारिक राजनयिक निमंत्रण मिला है, तो उन्हें ईरान के दिवंगत सर्वोच्च नेता के जनाजे में खुद शामिल होना चाहिए। ओवैसी ने कहा कि भारत को केवल प्रतिनिधिमंडल भेजने के बजाय प्रधानमंत्री स्तर पर अपनी उपस्थिति दर्ज करानी चाहिए, ताकि दुनिया को

भारत की स्वतंत्र विदेश नीति और कूटनीतिक मजबूती का संदेश मिले।

ओवैसी ने कहा कि इससे दुनिया को भारत की स्वतंत्र और मजबूत विदेश नीति का संदेश जाएगा। ओवैसी ने यह भी आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री मोदी की ईरान युद्ध से पहले इजरायल यात्रा और इजरायल के समर्थन में दिए गए बयान उचित नहीं थे। उन्होंने कहा कि भारत को किसी भी वैश्विक दबाव के बजाय अपने राष्ट्रीय हितों और स्वतंत्र कूटनीतिक रुख के आधार पर फैसले लेने चाहिए।

ओवैसी ने भारत और ईरान के बीच लंबे समय से चले आ रहे ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और रणनीतिक संबंधों का हवाला देते हुए कहा कि इस महत्वपूर्ण अवसर पर प्रधानमंत्री की व्यक्तिगत मौजूदगी दोनों देशों के रिश्तों को और मजबूत करेगी। उन्होंने कहा कि भारत को वैश्विक मंच पर यह दिखाना चाहिए कि वह अपनी विदेश नीति स्वतंत्र रूप से तय करता है और किसी भी बाहरी भू-राजनीतिक दबाव के आगे झुकने वाला देश नहीं है।

मोसाद के हत्थे चढ़ गए होते आसिम मुनीर, स्विटजरलैंड में था निपटाने का प्लान, फिर कैसे बची जान?

अंतरराष्ट्रीय राजनीति और खुफिया एजेंसियों की दुनिया में उस समय हलचल मच गई जब ब्राजील के जाने-माने पत्रकार और भू-राजनीतिक विश्लेषक पेपे एस्कोबार ने एक बेहद सनसनीखेज दावा किया। एस्कोबार का कहना है कि पाकिस्तान की सैन्य खुफिया एजेंसी ने इजरायल की खुफिया एजेंसी मोसाद की एक कथित साजिश को समय रहते नाकाम कर दिया। दावे के मुताबिक, यह साजिश स्विट्जरलैंड में आयोजित एक शांति सम्मेलन के दौरान पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर को निशाना बनाने से जुड़ी थी। अगर यह दावा सही साबित होता है तो यह हाल के सालों की सबसे बड़ी अंतरराष्ट्रीय खुफिया वारदातों में से एक हो सकती है।

धामी सरकार ने पहली 'महिला नीति' लाकर रचा इतिहास, अब गांव से नौकरी तक दिखेंगी महिलाएं

(जीएनएस)।

उत्तराखंड ने महिलाओं को विकास की मुख्यधारा में लाने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया है। राज्य सरकार ने पहली बार एक समर्पित महिला नीति को मंजूरी दी है, जिसका मकसद महिलाओं की भागीदारी को सिर्फ कल्याण योजनाओं तक सीमित रखने के बजाय उन्हें रोजगार, नेतृत्व, कारोबार और स्थानीय शासन के केंद्र में लाना है। यह नीति ऐसे समय आई है जब देशभर में महिला-नेतृत्व वाले विकास मॉडल पर चर्चा तेज हो रही है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी लंबे समय से महिलाओं को आर्थिक और सामाजिक रूप से मजबूत बनाने वाली योजनाओं पर जोर देते रहे हैं। इस नई नीति के जरिए सरकार का इरादा साफ है कि महिलाओं को सिर्फ घर-गृहस्थी या खेतों तक सीमित न रखा जाए, बल्कि नौकरी, व्यापार और गांव के बड़े फैसलों में उनकी सीधी हिस्सेदारी तय हो।

सीएम धामी का कहना है, "महिलाएं उत्तराखंड के समाज की रीढ़ हैं। हमारी सरकार का मानना है कि महिलाओं को सशक्त बनाए बिना समाज की प्रगति संभव नहीं है। यही वजह है कि हमने महिलाओं के लिए कई विशेष योजनाएं शुरू की हैं, जो आने वाले समय में गेम चेंजर साबित होंगी। इसी प्रतिबद्धता को आगे बढ़ाते हुए हम जल्द ही एक व्यापक महिला नीति लेकर आ रहे हैं।"

सीएम धामी अपने कार्यकल में महिलाओं को आगे बढ़ाने के लिए कई बड़े फैसले ले चुके हैं। इनमें सरकारी नौकरियों में 30 प्रतिशत आरक्षण और पहली बार सहकारी समितियों में महिलाओं को आरक्षण देने जैसे कदम शामिल हैं। इसके साथ ही महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने के लिए महिला सारथी योजना, एकल महिला स्वरोजगार योजना और लखपति दीदी जैसी योजनाओं को भी जमीन पर उतारा गया है।

गांव की सरकार में महिलाओं की सीधी एंट्री, बनेंगी महिला सभाएं

इस नीति का सबसे बेहतरीन हिस्सा जमीनी स्तर पर महिलाओं को ताकत देना है। अब तक गांवों के विकास और बजट की प्लानिंग में महिलाओं की बातें अक्सर अनसुनी रह जाती थीं। लेकिन अब इस समस्या का परमानेंट इलाज कर दिया गया है।

नई नीति के तहत अब ग्राम पंचायत स्तर पर विशेष 'महिला सभाओं' का गठन किया जाएगा। ये सभाएं सीधे स्थानीय शासन और गांव के विकास से जुड़े फैसलों में अपनी राय रखेंगी। इससे गांव की महिलाओं की आवाज सीधे प्रशासनिक प्लानिंग का हिस्सा बनेगी।

अयोध्या रवाना होने से पहले केजरीवाल के गंभीर आरोप, कहा- 'राम मंदिर में अरबों का चढ़ावा गायब, एसआईटी सिर्फ धोखा'

अयोध्या रवाना होने से पहले लखनऊ एयरपोर्ट पर अरविंद केजरीवाल ने राम मंदिर में दान और चढ़ावे से जुड़ी कथित गड़बड़ियों को लेकर गंभीर आरोप लगाए।

(जीएनएस)।

लखनऊः अयोध्या में प्रभु श्रीराम के दर्शन के लिए रवाना होने से पहले दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने राम मंदिर में कथित चंदा और चढ़ावे की चोरी को लेकर कई गंभीर आरोप लगाए। लखनऊ एयरपोर्ट पर मीडिया से बातचीत के दौरान उन्होंने कहा कि राम मंदिर में दान और चढ़ावे से जुड़े मामले में अब तक न तो एफआईआर दर्ज हुई है और न ही निष्पक्ष जांच होती दिखाई दे रही है।

केजरीवाल ने कहा कि उनका मन इस पूरे मामले से बेहद दुखी है। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि भगवान राम की पादुका, हार, दीपक, गहने, हीरे-जवाहरात और चढ़ावे तक की चोरी हुई है। उन्होंने दावा किया

कि मंदिर से 200 करोड़ रुपये नकद और 200 किलो चांदी भी गायब हुई है।

'कल प्रभु श्रीराम के दर्शन करने जाऊंगा'

अरविंद केजरीवाल ने कहा, ह्लकल मैं अयोध्या जाकर प्रभु श्रीराम के दर्शन करूंगा। श्रीराम मंदिर जाऊंगा, हनुमानगढ़ी जाऊंगा और संतों से भी मुलाकात करूंगा।ह्व उन्होंने कहा कि भगवान राम के नाम पर श्रद्धालुओं द्वारा दिए गए दान में अरबों रुपये की कथित गड़बड़ी की बातें सामने आई हैं, जिससे देशभर के श्रद्धालुओं की भावनाएं आहत हुई हैं।

एफआईआर नहीं तो एसआईटी किस कानून के तहत?

अरविंद केजरीवाल ने जांच प्रक्रिया पर भी सवाल खड़े किए। उन्होंने कहा कि यदि इतनी बड़ी चोरी हुई है तो अब तक एफआईआर क्यों दर्ज नहीं की गई।

बिना एफआईआर के SIT कैसे बन सकती है? यह SIT किस कानून के तहत गठित की गई है? यह केवल एक दिखावा है। इसके पास कोई वास्तविक शक्ति नहीं है। अरविंद केजरीवाल

'बड़े लोगों को बचाने की कोशिश'

केजरीवाल ने आरोप लगाया कि रक्ळ का मुख्य उद्देश्य मामले में शामिल प्रभावशाली लोगों को बचाना है। उन्होंने कहा कि इतनी बड़ी कथित चोरी बिना बड़े लोगों के संरक्षण के संभव नहीं हो सकती।

उन्होंने कहा, यह कोई साधारण मामला नहीं है बल्कि बेहद गंभीर और संगीन मामला है। इसमें बड़े-बड़े लोगों की भूमिका की आशंका है और इसकी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए।

लखनऊ अग्निकांड : वीरेन्द्र प्रसाद ने फर्जी एनओसी से लिया था बिजली कनेक्शन, साल 2016 से किसी जिम्मेदार ने नहीं की कार्रवाई

(जीएनएस)।

लखनऊ। अलीगंज में जिस अवैध निर्माण में आग लगी थी, उसके कमर्शियल बिजली कनेक्शन के लिए भवन स्वामी ने मिलीभगत करके फर्जी एनओसी ली थी। यह एनओसी विद्युत सुरक्षा निदेशालय के तत्कालीन सहायक निदेशक पीके निगम के फर्जी हस्ताक्षर से तैयार की गई थी। यह खुलासा विद्युत सुरक्षा निदेशालय के निदेशक गिरीश कुमार सिंह ने किया है।

गिरीश के मुताबिक वर्ष 2022 से पहले आफलाइन एनओसी जारी करने की प्रकिया थी। अग्निकांड के बाद अलीगंज सेक्टर डी -102 के रिकार्ड देखे गए तो वीरेंद्र प्रसाद शुक्ला के नाम की कोई एनओसी क्रमांक संख्या 26 में नहीं मिली। क्रमांक संख्या 26 में दूसरे उपभोक्ता के नाम एनओसी जारी की गई है।

विद्युत सुरक्षा निदेशालय के रिकार्ड में कोई ब्योरा नहीं

कुल मिलाकर विद्युत सुरक्षा निदेशालय के रिकार्ड में वीरेंद्र प्रसाद शुक्ला का कोई ब्योरा नहीं मिला। निदेशालय ने उच्च अधिकारियों को भी इसे पूरे मामले की जानकारी भेज दी है। वहीं सवाल खड़ा होता है क्या ऐसी फर्जी एनओसी शहर की अन्य

बिल्डिंगों के लिए तैयार तो नहीं की गई होगी? इस पूरी कार्यप्रणाली को लेकर बिजली विभाग और विद्युत सुरक्षा निदेशालय पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

दोनों विभागों के बीच ऐसा कोई तंत्र नहीं है कि उपभोक्ता के वाणिज्यिक कनेक्शन का आवेदन करते ही निदेशालय को पता हो जाए। निदेशालय से एनओसी लेने के लिए उपभोक्ता को नए सिरे से पूरी प्रकिया अपनानी पड़ती है। अभी तक विद्युत सुरक्षा निदेशालय की जिम्मेदारी जो ठहराई जा रही थी, उससे निदेशालय ने यह कहते हुए पल्ला झाड़ लिया है कि जब उसके यहां से एनओसी ही नहीं जारी की गई तो कैसे उसे पता चलेगा कि नवीनीकरण कराने का समय पूरा हो गया है या नहीं ?

मध्यांचल में 57 हजार कमर्शियल कनेक्शन दस किलोवाट से ऊपर

मध्यांलच में 57 हजार कमर्शियल कनेक्शन दस किलोवाट से ऊपर हैं। वहीं लखनऊ में दस किलोवाट या उससे ऊपर भार वाले कनेक्शनों की संख्या 10,706 हैं। सवाल खड़ा होता है क्या इनमें कई एनओसी वीरेंद्र प्रसाद शुक्ला की तरह फर्जी तो नहीं बनाई गई होंगी। इस पर बिजली विभाग व निदेशालय के अधिकारी चुप्पी साधे हुए हैं।

स्थायी कनेक्शन लेकर ही बनवाया था वीरेंद्र ने मकान, जो नियमानुसार है गलत

जिस कोचिंग सेंटर में आग लगी थी, उसके निर्माण में अस्थाई बिजली कनेक्शन देने के बजाए सीधे स्थाई कनेक्शन एक किलोवाट का जारी कर दिया गया था।नियमानुसार स्थायी कनेक्शन से मकान का निर्माण नहीं किया जा सकता है। जब कनेक्शन दिया गया, उस समय पुरनिया बिजली उपकेंद्र के तत्कालीन जेई विरेंद्र सिंह, एसडीओ शैलेश शर्मा व डालीगंज खंड के अधिशासी अभियंता अशोक कुमार वर्मा थे, इनकी जांच भी शुरू हो सकती है।

यहीं नहीं, एक किलोवाट बिजली कनेक्शन को चंद माह बाद सीधे 20 किलोवाट लोड आवासीय में कर दिया गया था। फिर अपने कनिष्ठों की रिपोर्ट को सही मानते हुए तत्कालीन अधिशासी अभियंता अशोक ने बीस किलोवाट आवासीय कनेक्शन को कमर्शियल में वर्ष 2016 में कर दिया था। इसमें फर्जी विद्युत सुरक्षा निदेशालय की एनओसी लगा दी गई थी।

मेरे पास जो एनओसी है, वह असली है या नकली, मुझे. नहीं पता, उस पर विद्युत सुरक्षा निदेशालय लिखा हुआ है। मैने कोई उसकी जांच नहीं कराई है। निदेशक क्या कह रहे हैं, वहीं बता सकते हैं।

-वीपी सिंह, मुख्य अभियंता, जानकीपुरम जोन

'कांग्रेस-सपा ने संविधान का जितना अपमान किया, उतना किसी ने नहीं किया...', विपक्ष पर बरसे सीएम योगी आदित्यनाथ

यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राहुल गांधी और अखिलेश यादव का नाम लिए बिना उन पर निशाना साधते हुए कहा कि वे किस मुंह से लोकतंत्र की बात करते हैं और संविधान की प्रतियां लेकर घूमते हैं? कांग्रेस और समाजवादी पार्टी से ज्यादा किसी ने संविधान का अपमान नहीं किया है.

(जीएनएस)।

सीएम योगी ने संत कबीर नगर जिले में 475 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाली 139 विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करते हुए यह टिप्पणी की. उन्होंने इस दौरान जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि 25 जून भारत के इतिहास में एक काला दिन है क्योंकि इसी दिन कांग्रेस सरकार ने आपातकाल लागू कर लोकतंत्र का गला घोंट दिया था.

उन्होंने कहा कि नागरिकों के

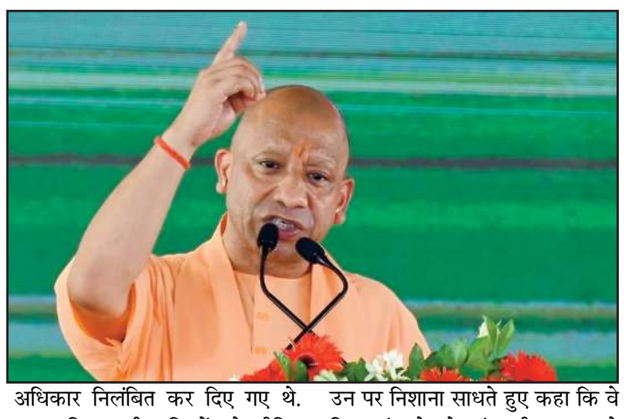

अधिकार निलंबित कर दिए गए थे. न्यायपालिका की शक्तियों को सीमित कर दिया गया था और मीडिया पर प्रतिबंध लगाए गए थे. जो लोग आज संविधान की प्रतियां लेकर घूमते हैं और लोकतंत्र की रक्षा का दावा करते हैं, उन्हें 25 जून 1975 को हुई घटनाओं को याद रखना चाहिए.

मुख्यमंत्री ने राहुल गांधी और अखिलेश यादव का नाम लिए बिना उन पर निशाना साधते हुए कहा कि वे किस मुंह से लोकतंत्र की बात करते हैं और संविधान की प्रतियां लेकर घूमते हैं? कांग्रेस और समाजवादी पार्टी से ज्यादा किसी ने संविधान का अपमान नहीं किया है.

आदित्यनाथ ने कहा कि आपातकाल के दौरान तानाशाही शासन का विरोध करने पर कई विपक्षी नेताओं को जेल में डाल दिया गया था. इनमें जयप्रकाश नारायण, अटल बिहारी वाजपेयी, मुरली मनोहर जोशी, राज नारायण, मुलायम सिंह यादव, चंद्र शेखर और चौधरी चरण सिंह जैसे नेता शामिल थे.

मुख्यमंत्री ने दावा किया कि बीजेपी डबल इंजन सरकार बीआर आंबेडकर के सपनों को साकार करने के लिए काम कर रही है और समाज के सभी वर्गों तक कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचा रही है.

उन्होंने बताया कि दिन में उन्होंने लखनऊ में केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के साथ एक बैठक में भाग लिया, जिसमें उत्तर प्रदेश को प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के अगले चरण के तहत 6.18 लाख आवास आवंटित किए गए. उन्होंने जनसभा के आखिरी में लोगों से बीजेपी की डबल इंजन सरकार के विकास एजेंडे का समर्थन करने की अपील की.

मुख्यमंत्री योगी धनघटा में 224.79 करोड़ रुपए की 65 विकास परियोजनाओं का करेंगे उद्घाटन-शिलान्यास

(जीएनएस)।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गुरुवार को संत कबीर नगर जिले के धनघटा विधानसभा क्षेत्र के दौरे पर रहेंगे। इस दौरान वह 224.79 करोड़ रुपए की लागत वाली 65 विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे। इन परियोजनाओं से क्षेत्र में बुनियादी ढांचे के विकास और जन-कल्याणकारी सुविधाओं को मजबूती मिलने की उम्मीद है।

बैजनाथधाम शिव मंदिर पहुंचेंगे मुख्यमंत्री

आधिकारिक कार्यक्रम के अनुसार मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शाम करीब 4 बजे हैंसर बाजार ब्लॉक के बसवारी गांव स्थित बैजनाथधाम शिव मंदिर पहुंचेंगे। यहां वह एक जनसभा को संबोधित करेंगे और स्थानीय लोगों से संवाद भी करेंगे।

17 परियोजनाओं का उद्घाटन, 48 का शिलान्यास

अधिकारियों के अनुसार कुल 65 परियोजनाओं में से 54.42 करोड़ रुपए की लागत वाले 17 विकास कार्यों का उद्घाटन किया जाएगा। वहीं 170.37 करोड़ रुपए की लागत वाली 48 नई परियोजनाओं का शिलान्यास होगा। इन योजनाओं से क्षेत्र के समग्र

विकास और जन-सुविधाओं में सुधार होने की उम्मीद जताई जा रही है।

कार्यक्रम से पहले तैयारियों का निरीक्षण

मुख्यमंत्री के दौरे से पहले धनघटा के विधायक गणेश चौहान ने बुधवार को वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों के साथ कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण किया। उन्होंने कार्यक्रम में शामिल होने वाले लोगों के लिए सभी आवश्यक सुविधाओं और व्यवस्थाओं को सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

सुरक्षा, पार्किंग और हेलीपैड व्यवस्था पर जोर

निरीक्षण के दौरान पार्किंग व्यवस्था, ट्रैफिक प्रबंधन योजना, सुरक्षा इंतजाम और हेलीपैड की तैयारियों का जायजा लिया गया। विधायक गणेश चौहान ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को सभी व्यवस्थाएं समय पर और सुचारू रूप से पूरी करने के निर्देश दिए।

जिला प्रशासन ने तैयारियां तेज कीं

मुख्यमंत्री कार्यालय से कार्यक्रम की पुष्टि होने के बाद जिला प्रशासन ने तैयारियों में तेजी ला दी है। सभी संबंधित विभागों को अलर्ट मोड पर रखा गया है और कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए आपसी समन्वय के साथ कार्य किया जा रहा है।

डीएम और एसपी खुद कर रहे निगरानी

जिलाधिकारी आलोक कुमार और पुलिस अधीक्षक संदीप कुमार मीणा स्वयं तैयारियों की निगरानी कर रहे हैं। प्रशासन लगातार समीक्षा बैठकों के माध्यम से यह सुनिश्चित कर रहा है कि मुख्यमंत्री के आगमन से पहले सुरक्षा और अन्य सभी व्यवस्थाएं पूरी तरह दुरुस्त हों।

तीन एसडीएम को सौंपी गई जिम्मेदारी

जिलाधिकारी आलोक कुमार ने बताया कि कार्यक्रम स्थल पर व्यवस्थाओं के समन्वय और निगरानी के लिए विशेष रूप से तीन उपजिलाधिकारियों (एसडीएम) की तैनाती की गई है, ताकि आयोजन सुचारू और व्यवस्थित ढंग से संपन्न हो सके।

'मुलायम सिंह कहते थे कांग्रेस के साथ गठबंधन नहीं होना चाहिए', सीएम योगी ने घेरा, सपा ने दिया जवाब

सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जो लोग संविधान की प्रतियां लेकर जनता की आंखों में धूल झोंक रहे हैं, इनके दोहरे चरित्र को जनता के सामने उजागर करने की जरूरत है. इस पर सपा ने पलटवार किया है.

(जीएनएस)।

उत्तर प्रदेश में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर सत्ता पक्ष और विपक्ष के नेताओं के बीच आरोप प्रत्यारोप तेज होते जा रहे हैं. मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सपा और कांग्रेस के बीच गठबंधन को लेकर अखिलेश यादव को घेरा है. इसके बाद अब समाजवादी पार्टी ने भी बीजेपी पर पलटवार किया है.

समाजवादी पार्टी के मीडिया सेल ने एक्स हैंडल पर लिखा, "जो कभी आपको भीख मंगवाने के दावे करता था, आज उसे मन मारकर आपको अपना साथी मंत्री बनाना पड़ा है, अपने साथ कुर्सी पर बिठाना पड़ा है और मजे की बात ये कि वो अभी भी आपको वहीं कहीं भेजने के लिए शिद्दत से प्रयासरत है. है ना मजे की बात आदित्यनाथ जी?"

योगी आदित्यनाथ का अखिलेश यादव पर हमला

यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ ने अखिलेश यादव को घेरते हुए कहा, "जो लोग संविधान की प्रतियां लेकर

घूम-घूमकर जनता की आंखों में धूल झोंक रहे हैं, इनके दोहरे चरित्र को जनता के सामने उजागर किए जाने की जरूरत है. उस समय इंदिरा गांधी के अत्याचार के कारण जो लोग लोकतंत्र के समर्थन में जेल की यात्रा कर रहे थे. इंदिरा गांधी के आदेश से उस अत्याचार की चपेट में पिस रहे थे, ऐसे लालू प्रसाद यादव जी हो, मुलायम सिंह यादव हों, इनकी वर्तमान पीढ़ी क्या कर रही है? आज उसी कांग्रेस के साये में राजनीति करते दिखाई दे रहे हैं."

ये मुलायम सिंह की विरासत को डूबोने के लिए उतारू- सीएम योगी

उन्होंने आगे कहा, "जब भी समाजवादी पार्टी कांग्रेस के साथ गठबंधन का प्रयास करती थी तो मुलायम सिंह यादव उसका विरोध करते थे. कहते थे कि सबकुछ हो जाएगा लेकिन कांग्रेस के साथ गठबंधन नहीं होना चाहिए लेकिन उनके उत्तराधिकारी क्या कर रहे हैं? उनका आचरण देख लीजिए. वो कांग्रेस के डूबते हुए जहाज पर सवार होकर मुलायम सिंह की विरासत को भी डूबोने के लिए उतारू हैं. कांग्रेस ने लोकतंत्र को कुचला था और इनकी भी लोकतंत्र में कोई निष्ठा नहीं है.

सपा-कांग्रेस साथ जुड़कर लोकतंत्र को कमजोर करना चाहते हैं- योगी

मुख्यमंत्री योगी ने आरोप लगाते हुए कहा, "इनकी जब सत्ता थी तो इन्होंने लोकतंत्र को कुचलने के लिए कोई कोर कसर नहीं छोड़ा था. इन्होंने भी सभी संस्थाओं पर हमला किया था. ये कार्यपालिका, न्यायपालिका या प्रेस पर बराबर हमला करते थे. ये किसी का सम्मान नहीं करते थे. इसलिए अपने समान उद्देश्य के लिए आज भी एक दूसरे के साथ जुड़कर देश के लोकतंत्र को कमजोर करने, परिवारवाद की राजनीति को प्रोत्साहित करने के लिए, भारत के संवैधानिक मान्यताओं के विपरीत आचरण करना अपना जन्मसिद्ध अधिकार समझते हैं."

सीएम योगी का तीन दिवसीय दौरा आज, गोरखपुर, संतकबीर नगर और देवरिया में देंगे करोड़ों की सौगात

(जीएनएस)।

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ तीन दिवसीय दौरे पर गुरुवार की शाम करीब पांच बजे गोरखपुर आएंगे। इससे पहले शाम चार बजे संतकबीर नगर के हैसर बाजार ब्लाक के बसवारी गांव स्थित बैजूनाथधाम शिव मंदिर पहुंचेंगे। वहां जनसभा को संबोधित करने के साथ धनघटा विधानसभा क्षेत्र की 224.79 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का लोकार्पण-शिलान्यास करेंगे।

वहां से गोरखपुर पहुंचने के बाद चिलुआताल स्थित अक्षय पात्र के नए

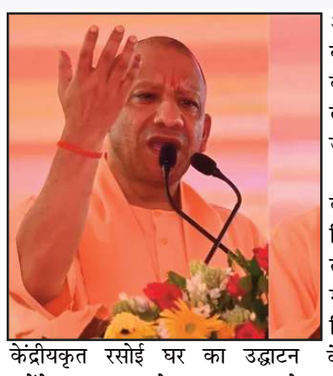

केंद्रीयकृत रसोई घर का उद्घाटन करेंगे। शुक्रवार को सुबह 10 बजे मुख्यमंत्री देवरिया के बरांव में आयोजित कार्यक्रम में रुद्रपुर व बरहज विधानसभा क्षेत्र की 456.38 करोड़ की विकास परियोजनाओं का लोकार्पण-शिलान्यास करने के बाद जनसभा को संबोधित करेंगे।

गोरखपुर लौटने के बाद अपराह्न करीब तीन बजे बेतियाहाता में एक निजी हास्पिटल का लोकार्पण करेंगे। तीसरे दिन शनिवार की सुबह 10 बजे मुख्यमंत्री, मेडिकल कालेज रोड स्थित एक रिजार्ट में आयोजित भाजपा के महानगर प्रशिक्षण वर्ग में शामिल होंगे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शाम करीब पांच बजे वह चिलुआताल स्थित अक्षय पात्र के नए केंद्रीयकृत रसोई घर का उद्घाटन करेंगे। रात को मुख्यमंत्री विकास परियोजनाओं की प्रगति और कानून व्यवस्था की समीक्षा भी कर सकते हैं। अगले दिन मुख्यमंत्री सुबह करीब दस बजे देवरिया जाएंगे, जहां वह लोकार्पण-शिलान्यास कार्यक्रम में शामिल होंगे।

देवरिया से लौटकर वह गोरखपुर आएंगे और फिर दोपहर बाद बेतियाहाता में एक निजी अस्पताल का लोकार्पण करेंगे। रात्रि विश्राम के बाद तीसरे दिन शनिवार की सुबह 10 बजे मुख्यमंत्री मेडिकल कॉलेज रोड स्थित एक रिजॉर्ट में भाजपा के महानगर प्रशिक्षण वर्ग में शामिल होंगे। उनके आगमन को लेकर जिला प्रशासन ने सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं।

उधर, आगामी 27 एवं 28 जून को आयोजित होने वाले भारतीय जनता पार्टी गोरखपुर महानगर के पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान 2026 को सफल बनाने के लिए संचालन समिति ने बुधवार को कार्यक्रम स्थल पर ही बैठक की। इस दौरान प्रदेश उपाध्यक्ष त्रयम्बकेश त्रिपाठी, महानगर अध्यक्ष रमेश प्रताप गुप्ता व संचालन समिति प्रमुख क्षेत्रीय उपाध्यक्ष विश्वजिताशु सिंह आशू, राजेश गुप्ता, ओम प्रकाश शर्मा, इंद्रमणि उपाध्याय, अच्युतानंद शाही, बृजेश मणि मिश्रा, पवन यादव, शिवम पाण्डेय सहित कई पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

बाबा अमरनाथ यात्रा के लिए 10 हजार श्रद्धालुओं ने कराया रजिस्ट्रेशन, लखनऊ से 40 सेवादारों का पहला जत्था रवाना

(जीएनएस)।

लखनऊ। बाबा अमरनाथ बफानीं की यात्रा का समय जैसे-जैसे नजदीक आ रहा है वैसे-वैसे सेवादारों और भंडारों की तैयारियों में तेजी आ रही है। यात्रियों की सेवा के लिए सेवादारों का 40 सदस्यीय पहला जत्था गुरुवार को तिलकनगर से रवाना किया।

उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने जत्थे को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। अमीनाबाद के श्री अमरनाथ सेवा संस्थान के महामंत्री ओम प्रकाश ओमी ने बताया कि एक जुलाई से मनीगाम में भंडारा लगेगा। रवानगी के पहले तिलकनगर में भंडारा भी हुआ।

तीन जुलाई से 28 अगस्त तक चलने वाली यह यात्रा इस बार 57 दिनों की होगी। भंडारे में हर दिन तीन से पांच हजार श्रद्धालुओं को निश्शुल्क प्रसाद ग्रहण कराया जाएगा। राजधानी से 10 हजार से अधिक श्रद्धालुओं ने अपना पंजीकरण कराया है।

आलमबाग स्थित मौनी बाबा मंदिर से नंदी श्री गौरी शंकर अमरनाथ सेवा संस्थान की ओर से पहलगाम के लिए भंडारे की सामग्री और सेवादारों का पहला जत्था रवाना किया गया। यात्रा संयोजक शिवकुमार बाबा ने बताया कि पूरे यात्रा काल में पहलगाम में विशाल भंडारे का संचालन कर देशभर से आने वाले श्रद्धालुओं को निश्शुल्क भोजन व अन्य सेवाएं प्रदान की जाएंगी।

प्रवक्ता मनोज कुमार ने बताया कि सेवादारों की पहली टोली भी रवाना हो चुकी है। राजाजीपुरम स्थित श्री बाबा अमरनाथ बफानीं सेवा मंडल की ओर से भी बालटाल और पंचतरनी के लिए भंडारे की रसद भेजी गई। मंडल के कार्यकारी अध्यक्ष नवीन अरोड़ा ने बताया कि शिवभक्तों के लिए भोजन के साथ आवास, दवाओं तथा अन्य आवश्यक सुविधाओं की व्यवस्था की गई है।

मनकामेश्वर मंदिर की महंत देव्या गिरि ने बताया कि अमरनाथ की पवित्र गुफा में प्राकृतिक रूप से बनने वाला हिमलिंग भगवान शिव के दिव्य स्वरूप का प्रतीक माना जाता है। मान्यता है कि इसी गुफा में भगवान शिव ने माता पार्वती को अमरत्व का रहस्य सुनाया था। यही कारण है कि अमरनाथ यात्रा सनातन आस्था, तप, त्याग और सेवा का महापर्व मानी जाती है।

कौन हैं कन्नड़ एक्ट्रेस कृषि थापांडा, जिनके बेंगलुरु वाले घर में फंदे से लटकी मिली बिजनेसमैन की लाश?

(जीएनएस)।

कन्नड़ फिल्म इंडस्ट्री की अभिनेत्री कृषि थापांडा अचानक सुर्खियों में आ गई हैं। इसकी वजह उनकी कोई नई फिल्म नहीं, बल्कि उनके बेंगलुरु स्थित घर में हुई एक चौंकाने वाली घटना है। दरअसल, वैशाख नाम के एक कारोबारी ने कथित तौर पर अभिनेत्री के घर पर आत्महत्या कर ली। घटना के बाद पुलिस जांच में जुटी हुई है और कई पहलुओं की पड़ताल की जा रही है।

इस बीच लोगों के मन में एक सवाल लगातार उठ रहा है कि आखिर कृषि थापांडा कौन हैं और उनका फिल्मी सफर कैसा रहा है। कन्नड़ सिनेमा में अपनी पहचान बना चुकी कृषि अब इस मामले के कारण चर्चा के केंद्र में हैं। आइए

जानते हैं उनके करियर और हालिया विवाद से जुड़ी पूरी कहानी।

कौन हैं कृषि थापांडा?

कृषि थापांडा कन्नड़ फिल्म इंडस्ट्री की जानी-मानी अभिनेत्री और मॉडल हैं। उन्होंने मनोरंजन जगत में अपनी पहचान मॉडलिंग से बनाई थी। इसके बाद उन्होंने फिल्मों की दुनिया में कदम रखा और कई कन्नड़ फिल्मों में नजर आईं। सोशल मीडिया पर भी उनकी अच्छी फैन फॉलोइंग है। फैशन, लाइफस्टाइल और ग्लैमर से जुड़ी तस्वीरें और वीडियो वह अक्सर अपने प्रशंसकों के साथ साझा करती रहती हैं।

फिल्मों और मॉडलिंग में बनाई पहचान

कृषि ने अपने करियर की शुरूआत मॉडलिंग असाइनमेंट्स से की थी। धीरे-धीरे उन्हें फिल्मी दुनिया में काम मिलने लगा। उन्होंने कई कन्नड़ फिल्मों में अभिनय किया और युवा दर्शकों के बीच अपनी अलग पहचान बनाई।

PRGI No.: UPHIN/25/A1698 Published & Owned by RAGINI JIGNESHKUMAR VAGHELA and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh.
and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : VINOD KUMARI
Regd.Office : B/13, Sneh Plaza Shopping Center, I.O.C. Road, Chandkheda, Ahmedabad - 382 424 Gujarat,India. Phone : (o) 7698333307 (M) 8485951747,7096333307
Email:navsarjansanskruti2016@gmail.com*navsarjansanskruti2016@yahoo.com*Website : www.navsarjansanskruti.com

सम्पादकीय

समझौते का स्थाई भाव ही 'समर्पण' है

भारत और अमेरिका के बीच प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौता अपने अन्तिम चरण में पहुंच गया है किन्तु वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल द्वारा यह शर्त रखे जाने कि जब तक भारतीय निर्यातकों को दूसरे प्रतिस्पधी देशों के मुकाबले तुलनात्मक टैरिफ लाभ देने वाला ढांचा तैयार नहीं हो जाता, तब तक भारत अमेरिका के साथ ट्रेड डील पर हस्ताक्षर नहीं करेगा। यह इस बात का परिचायक है कि दोनों पक्ष अभी भी अपने-अपने लक्ष्यों को लेकर अड़े हुए हैं। यद्यपि यह बात वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने ही कही कि इस वर्ष की शुरूआत में 6 फरवरी को दोनों देशों के बीच समझौते में शामिल बिन्दुओं पर सहमति बन गई थी किन्तु उसके बाद दोनों देशों के वाणिज्य विभाग की टीमें लगातार समझौते के प्रावधानों की बारीकियों पर बातचीत कर रही हैं। जिस तरह अमेरिकी वाणिज्य विभाग के अधिकारी अपने व्यापारियों और उपभोक्ताओं के हितों की चिन्ता कर रहे हैं, ठीक उसी तरह भारतीय वाणिज्य मंत्रालय की टीम भारतीय व्यापारियों और उपभोक्ताओं के हितों के लिए चिन्तित हैं। दोनों देश अपने-अपने हितों के टकराव को टालने के लिए बारीकी से प्रस्ताव के प्रारूप की समीक्षा कर रहे हैं तो इसमें कोई गलत बात नहीं है किन्तु यदि दबाव डालकर ट्रेड डील के प्रारूप पर अमेरिका ने प्रयास किया तो निश्चित रूप से भारत ट्रेड डील को मानने से इंकार कर देगा।

सच तो यह है कि कोई भी समझौता तभी संपन्न होता है जब दोनों पक्ष वुछ छोड़ने के लिए तैयार रहे। समझौते का तो स्थाई भाव ही 'समर्पण' है। अकड़ से कोई समझौता संपन्न हो ही नहीं सकता। यह भी सच है कि अकड़ में हमेशा वह देश रहता है जिसके पक्ष में व्यापार संतुलन का तराजू झुका होता है। मतलब जिस देश का निर्यात ज्यादा और आयात कम होता है। उसको लगता है कि उसके देश के उपभोक्ताओं को दूसरे पक्ष के उत्पाद की जरूरत ज्यादा नहीं है। लेकिन भारत के साथ अमेरिका अपनी अकड़ नहीं दिखा सकता। कारण कि भारत की जनसंख्या में मध्यम वर्ग की आबादी 31 प्रतिशत से 43 प्रतिशत तक है जबकि उच्च आय और उच्च मध्यम वर्ग में 1 करोड़ से 1.5 करोड़ लोग आते हैं। मतलब कि 3 प्रतिशत से 5 प्रतिशत के बीच भारत में संपन्न वर्ग के लोग रहते हैं। अमेरिकी नीति निर्धारकों को हमेशा इस बात की गलतफहमी रहती है कि भारत में उपभोक्ताओं के पास व्रय शक्ति का अभाव है। इसी अज्ञानता के वशीभूत अमेरिकी अधिकारी यह नहीं समझ पाते कि भारत में जितने मध्यम वर्ग के लोग हैं, उससे कम तो यूरोप के कई देशों की वुल आबादी है।

बहरहाल ट्रेड डील होने में भले ही विलम्ब हो, किन्तु संदेह का निराकरण होना आवश्यक होता है। समझौते का स्थायित्व ही आपसी समझ पर निर्भर होता है। भारत की शर्त ऐसी नहीं है जिसे पूरा न किया जा सके। इसीलिए भारत समझौते के लिए समझौता नहीं करना चाहता बल्कि अपने व्यापारियों के लिए टैरिफ लाभ चाहता है जो कि आवश्यक भी है।

सबसे बड़ी बात तो यह है कि भारत और अमेरिका दोनों ही लोकतांत्रिक देश हैं, इसलिए जो भी देश घाटे का सौदा करेगा, उस देश की सरकार को विपक्ष की आलोचना का पात्र और जनता का कोपभाजन बनना पड़ेगा।

इसलिए समझौते के प्रारूप की बारीकियों का अध्ययन करके ही भारत

बेंगलुरु रोड शो में चमका यूपी मॉडल! योगी सरकार की नीतियों के मुरीद हुए ग्लोबल इंडस्ट्री लीडर्स, बोले- भारत की अगली ग्रोथ स्टोरी लिखेगा यूपी

(जीएनएस)।

बेंगलुरु में आयोजित 'उत्तर प्रदेश ग्लोबल ग्रोथ डायलॉग-2026' रोड शो में देश-विदेश की दिग्गज कंपनियों ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की नीतियों की जमकर तारीफ की है. एम्बेसी ग्रुप, आईबीएम और कॉग्निजेंट जैसी बड़ी कंपनियों के अधिकारियों ने कहा कि बेहतर कानून-व्यवस्था, एक्सप्रेसवे कनेक्टिविटी और शानदार डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर के चलते यूपी निवेश की सबसे पसंदीदा जगह बन चुका है. कार्यक्रम के दौरान आईबीएम (IBM) ने लखनऊ में नई सॉफ्टवेयर लैब स्थापित करने और कॉग्निजेंट ने नोएडा में अपने बड़े विस्तार की जानकारी साझा की.

गौरतलब है कि कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु में आयोजित उत्तर प्रदेश ग्लोबल ग्रोथ डायलॉग-2026 के इंडस्ट्री लीडर्स रोड शो में देश-विदेश की बड़ी कंपनियों के अधिकारियों ने उत्तर प्रदेश को निवेश और औद्योगिक विकास के लिए उभरता हुआ राज्य बताया है. कार्यक्रम के दौरान एम्बेसी ग्रुप, आईबीएम और कॉग्निजेंट के वरिष्ठ अधिकारियों ने योगी सरकार की नीतियों की जमकर सराहना की. उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश ने निवेश, इंफ्रास्ट्रक्चर, टेक्नोलॉजी और सुशासन के क्षेत्र में तेज प्रगति की है. बेहतर कानून-व्यवस्था, मजबूत कनेक्टिविटी और उद्योग-अनुकूल नीतियों के कारण आज उत्तर प्रदेश देश-विदेश के निवेशकों के लिए पसंदीदा गंतव्य बनता जा रहा है.

एम्बेसी ग्रुप के सीईओ अमित शेट्टी ने उत्तर प्रदेश को भारत की सबसे महत्वपूर्ण विकास गाथाओं में से एक बताया है. उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश केवल एक बड़ा राज्य नहीं, बल्कि व्यापकता, महत्वाकांक्षा, प्रतिभा, उद्यमशीलता और नए भारत की उभरती आकांक्षाओं का प्रतिनिधित्व करता है. उन्होंने कहा कि जैसे-जैसे भारत आर्थिक विस्तार के अगले चरण में आगे बढ़ रहा है, उत्तर प्रदेश यह तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा कि निवेश कहां आएगा, रोजगार कहां सृजित होंगे और भविष्य के बिजनेस डिस्ट्रिक्ट कहां विकसित होंगे.

अमित शेट्टी ने कहा कि भारत की विकास गाथा अब केवल कुछ महानगरों तक सीमित नहीं है. यह नए कॉरिडोर, नए शहरों और नए उद्यम केंद्रों तक विस्तार कर रही है. ऐसे में उत्तर प्रदेश निवेश की अगली बड़ी मंजिल बनकर उभर रहा है. उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में विशेष रूप से नोएडा, ग्रेटर नोएडा और लखनऊ तेजी से निवेश के प्रमुख केंद्र बनकर उभर रहे हैं. नोएडा और ग्रेटर नोएडा पहले ही एनसीआर के भीतर महत्वपूर्ण टेक्नोलॉजी और बिजनेस हब बन चुके हैं. मजबूत एक्सप्रेसवे, मेट्रो कनेक्टिविटी, दिल्ली की निकटता और जेवर एयरपोर्ट इस क्षेत्र को और अधिक आकर्षक बना रहे हैं.

अमित शेट्टी ने लखनऊ को लेकर कहा कि यह शहर अब केवल अपनी संस्कृति और प्रशासनिक पहचान तक सीमित नहीं है, बल्कि एक आधुनिक शहरी आर्थिक केंद्र के रूप में तेजी से

विकसित हो रहा है. बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर, संगठित रिटेल, बढ़ती सर्विस इकोनॉमी और मजबूत टैलेंट बेस ने लखनऊ को नई पहचान दी है.

आईबीएम इंडिया और साउथ एशिया की सीएफओ तेजस्विनी राजवाड़े ने कहा कि उत्तर प्रदेश में पिछले कुछ वर्षों में व्यावसायिक माहौल में बड़ा बदलाव देखने को मिला है. उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के दूरदर्शी नेतृत्व में राज्य निवेशकों के लिए बेहद भरोसेमंद गंतव्य बन गया है. तेजस्विनी राजवाड़े ने कहा कि निवेश मित्र, सेक्टर-विशिष्ट नीतियां और ईज ऑफ डूइंग बिजनेस के प्रति योगी सरकार की प्रतिबद्धता ने यह साबित किया है कि उत्तर प्रदेश वैश्विक स्तर का निवेश इकोसिस्टम तैयार करने के लिए पूरी तरह गंभीर है. उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर, डेटा सेंटर, लॉजिस्टिक्स कॉरिडोर, इंडस्ट्रियल पार्क और कनेक्टिविटी में किए गए निवेश भविष्य के उद्योगों के लिए मजबूत आधार तैयार कर रहे हैं.

तेजस्विनी राजवाड़े ने कहा कि उत्तर प्रदेश की सबसे बड़ी ताकत इसकी युवा आबादी और प्रतिभाशाली मानव संसाधन है. राज्य में युवाओं, इंजीनियरों और स्नातकों की विशाल संख्या इसे टेक्नोलॉजी और इनोवेशन का अग्रणी केंद्र बनने की क्षमता देती है. तेजस्विनी ने कहा कि आईबीएम के लिए सबसे उत्साहजनक बात यह है कि उत्तर प्रदेश केवल तकनीक को अपनाने तक सीमित नहीं है, बल्कि नई तकनीकों को आकार देने में भी सक्रिय भूमिका निभा रहा है. उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा सुरक्षा, विकास और सुशासन पर दिया गया जोर निवेशकों के बीच भरोसे और विश्वास की मजबूत नींव बना रहा है.

तेजस्विनी राजवाड़े ने बताया कि इस वर्ष की शुरूआत में आईबीएम ने उत्तर प्रदेश सरकार के साथ साझेदारी में लखनऊ में एआई गवर्नमेंट टेक्नोलॉजी इनोवेशन सेंटर लॉन्च किया. इस पहल को आगे बढ़ाते हुए आईबीएम ने लखनऊ में एक नई सॉफ्टवेयर लैब स्थापित करने की घोषणा भी की है. यह लैब जनरेटिव एआई और ऑथेंटिक एआई तकनीकों पर केंद्रित होगी. उन्होंने कहा कि यह सुविधा आईबीएम के वैश्विक सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट इकोसिस्टम का हिस्सा बनेगी और अगली पीढ़ी के एआई समाधान विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी.

कॉग्निजेंट के वाइस प्रेसिडेंट गौरव हाजरा ने कहा कि उत्तर प्रदेश और एनसीआर क्षेत्र आज प्रतिभा, इंफ्रास्ट्रक्चर और बिजनेस ऑपरेशंस के लिए तेजी से प्रतिस्पर्धी केंद्र बन रहे हैं.

उत्तर प्रदेश में कॉग्निजेंट ने 2015 में अपने संचालन की शुरूआत की थी. आज केवल नोएडा में कंपनी के 10,000 से अधिक कर्मचारी कार्यरत हैं, जबकि एनसीआर के अन्य हिस्सों में भी लगभग 10,000 कर्मचारी हैं. गौरव हाजरा ने कहा कि योगी सरकार की उद्योग-अनुकूल नीतियां निवेशकों के लिए बेहद सकारात्मक संकेत दे रही हैं. इंफ्रास्ट्रक्चर निवेश, सिंगल विंडो सिस्टम और निवेश मित्र जैसे प्लेटफॉर्म ने निवेश प्रक्रिया को काफी सरल बनाया है.

गौरव हाजरा ने जीसीसी नीति की विशेष रूप से सराहना करते हुए कहा कि 25 प्रतिशत कैपिटल सब्सिडी, ऑपरेशनल एक्सपेंडिचर सपोर्ट और बड़े निवेशकों के लिए लचीली संरचना जैसी नीतियां उत्तर प्रदेश को निवेश के लिए बेहद आकर्षक बनाती हैं. उन्होंने लखनऊ में एआई सिटी और एआई प्रज्ञा जैसी पहलों को समयानुकूल बताते हुए कहा कि ये कदम उत्तर प्रदेश को एआई-आधारित

कौन हैं वरिष्ठ पत्रकार यतेंद्र शर्मा, जिन पर भाजपा ने यूपी में खेला बड़ा दांव, क्यों सौंपा गया इतना बड़ा पद?

(जीएनएस)।

भारतीय जनता पार्टी की नई प्रदेश कार्यकारिणी की घोषणा के बाद कई नए नाम चर्चा में आए हैं, लेकिन जिन चेहरों ने सबसे ज्यादा ध्यान खींचा है उनमें वरिष्ठ पत्रकार यतेंद्र शर्मा भी शामिल हैं। लंबे समय से पत्रकारिता की दुनिया में सक्रिय यतेंद्र शर्मा को भाजपा ने प्रदेश मंत्री की जिम्मेदारी सौंपी है। इस फैसले के बाद राजनीतिक गलियारों के साथ-साथ मीडिया जगत में भी उनकी नियुक्ति को लेकर चर्चा शुरू हो गई है।

गाजियाबाद में उनके घर पर बधाई देने वालों का तांता लगा हुआ है, जबकि उनके गृह क्षेत्र हाथरस के सासनी में समर्थकों ने मिठाई बांटकर और आतिशबाजी कर खुशी जताई। वर्षों तक राजनीति की खबरों को कवर करने वाले यतेंद्र शर्मा अब खुद संगठन की अहम जिम्मेदारी निभाएंगे। ऐसे में लोगों के बीच यह जानने की उत्सुकता बढ़ गई है कि आखिर यतेंद्र शर्मा कौन हैं, उन्होंने पत्रकारिता में कैसी पहचान बनाई और भाजपा ने उन्हें प्रदेश मंत्री जैसे महत्वपूर्ण पद के लिए क्यों चुना।

यतेंद्र शर्मा देश के जाने-माने राजनीतिक पत्रकारों में गिने जाते हैं। वे लंबे समय से न्यूज 18 में पॉलिटिकल एडिटर के तौर पर काम कर रहे हैं और राष्ट्रीय राजनीति से जुड़े विषयों पर उनकी अच्छी पकड़ मानी जाती है। पत्रकारिता के दौरान उन्होंने सत्ता, संगठन, चुनाव और सरकार से जुड़े कई बड़े घटनाक्रमों की रिपोर्टिंग की है। राजनीतिक खबरों की समझ और जमीनी स्तर तक पहुंच ने उन्हें मीडिया जगत में अलग पहचान दिलाई है।

राजनीतिक रिपोर्टिंग से बनाई पहचान

यतेंद्र शर्मा का नाम उन पत्रकारों में लिया जाता है जो लंबे समय से राजनीति को करीब से कवर करते रहे हैं। उन्होंने उत्तर प्रदेश की राजनीति से

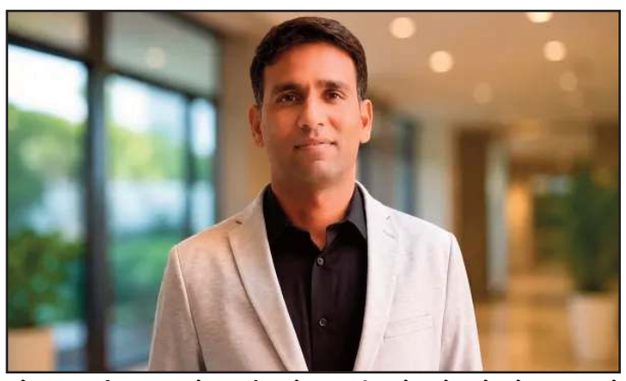

लेकर राष्ट्रीय स्तर के कई बड़े राजनीतिक घटनाक्रमों पर रिपोर्टिंग की। टीवी पत्रकारिता में उनकी पहचान एक ऐसे पत्रकार के रूप में बनी जो राजनीतिक खबरों को सरल और तथ्यात्मक तरीके से दर्शकों तक पहुंचाने के लिए जाने जाते हैं।

पत्रकारिता से संगठन तक का सफर

आमतौर पर पत्रकार और राजनीतिक संगठन अलग-अलग भूमिकाओं में दिखाई देते हैं, लेकिन यतेंद्र शर्मा का सफर अब एक नए मोड़ पर पहुंच गया है। वर्षों तक राजनीति को देखने और समझने के बाद अब उन्हें सीधे संगठन में जिम्मेदारी मिली है। भाजपा द्वारा उन्हें प्रदेश मंत्री बनाए जाने को कई लोग उनके अनुभव और राजनीतिक समझ का सम्मान मान रहे हैं।

भाजपा ने क्यों दी यह जिम्मेदारी?

पार्टी कार्यकर्ताओं का मानना है कि यतेंद्र शर्मा के पास राजनीतिक मामलों की गहरी समझ है। लंबे समय तक राजनीति से जुड़े मुद्दों पर काम करने के कारण उन्हें संगठन और कार्यप्रणाली का व्यापक अनुभव है। यही वजह है कि भाजपा नेतृत्व ने उन्हें प्रदेश मंत्री जैसी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी देने का फैसला किया। कार्यकर्ताओं का कहना है कि उनका अनुभव संगठन को मजबूत करने में मददगार साबित हो सकता है।

गाजियाबाद में बधाइयों का सिलसिला

यतेंद्र शर्मा गाजियाबाद के प्रताप विहार क्षेत्र के सेक्टर-11 जी ब्लॉक में रहते हैं। जैसे ही उनके प्रदेश मंत्री बनाए जाने की खबर सामने आई, उनके घर पर शुभचिंतकों का पहुंचना शुरू हो गया। स्थानीय निवासी, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि और परिचित लगातार उन्हें बधाई देने पहुंचे। पूरे दिन फोन कॉल और संदेशों के जरिए भी उन्हें शुभकामनाएं मिलती रहीं।

क्षेत्र के लोगों में खास उत्साह

स्थानीय लोगों का कहना है कि यतेंद्र शर्मा हमेशा लोगों से जुड़े रहे हैं। वे अपने सरल स्वभाव और सहज व्यवहार के कारण क्षेत्र में काफी लोकप्रिय हैं। कई लोगों का मानना है कि उन्होंने पत्रकारिता के दौरान जनहित से जुड़े मुद्दों को प्रमुखता से उठाया और आम लोगों की समस्याओं को सामने लाने का काम किया। इसी कारण समाज के विभिन्न वर्गों में उनके प्रति सम्मान का भाव देखा जाता है।

सामाजिक गतिविधियों में भी रहे सक्रिय

पत्रकारिता के अलावा यतेंद्र शर्मा सामाजिक सरोकारों से जुड़े कार्यों में भी भाग लेते रहे हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार, उन्होंने समय-समय पर ऐसे मुद्दों को उठाया जिनका सीधा संबंध आम जनता से था। कई बार उन्होंने उन समस्याओं पर भी आवाज उठाई जिन्हें लोग लंबे समय से नजरअंदाज किया जाना मानते थे।

आरडब्ल्यूए ने जताई खुशी

प्रताप विहार सेक्टर-11 रेजिडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने यतेंद्र शर्मा को प्रदेश मंत्री बनाए जाने पर खुशी जाहिर की है। उन्होंने कहा कि यह पूरे क्षेत्र के लिए गर्व की बात है।

पदाधिकारियों का मानना है कि समाज और जनता से जुड़े विषयों पर लगातार काम करने वाले व्यक्ति को संगठन में अहम जिम्मेदारी मिलना सकारात्मक संकेत है।

सासनी में समर्थकों ने मनाया जश्न

यतेंद्र शर्मा मूल रूप से हाथरस जिले के सासनी क्षेत्र के निवासी हैं। उनकी नियुक्ति की खबर वहां पहुंचते ही भाजपा कार्यकर्ताओं और समर्थकों में उत्साह का माहौल बन गया। उनके आवास पर बड़ी संख्या में लोग पहुंचे। कई स्थानों पर मिठाइयां बांटी गईं और आतिशबाजी कर खुशी जाहिर की गई। कार्यकर्ताओं ने इसे पूरे क्षेत्र के लिए सम्मान की बात बताया।

पार्टी कार्यकर्ताओं ने जताया आभार

भाजपा कार्यकर्ताओं ने इस फैसले के लिए पार्टी के शीर्ष नेतृत्व का धन्यवाद किया। उनका कहना है कि संगठन ने ऐसे व्यक्ति को जिम्मेदारी दी है जिसने अपने क्षेत्र में मेहनत और लगन से पहचान बनाई है। कार्यकर्ताओं का मानना है कि यतेंद्र शर्मा संगठनात्मक जिम्मेदारियों को पूरी निष्ठा के साथ निभाएंगे।

'चटपटी बातें चुनकर खबर मत बनाइए' सुवेंदु अधिकारी की तारीफ पर विवाद बढ़ा तो भड़कीं महुआ मोइत्रा

(जीएनएस)।

पश्चिम बंगाल की राजनीति में इन दिनों तृणमूल कांग्रेस (TMC) के भीतर चल रही खींचतान और बगावत को लेकर चर्चाएं तेज हैं। इसी बीच TMC सांसद महुआ मोइत्रा का एक बयान सुर्खियों में आ गया, जिसमें उन्होंने बीजेपी नेता और पश्चिम बंगाल के सीएम सुवेंदु अधिकारी के साथ अपने रिश्ते के बारें में खुल कर बात की थी।

इस बयान के बाद राजनीतिक गलियारों में अटकलें लगाई जाने लगीं की क्या ममता की फायर ब्रांड नेता महुआ भी बागियों के गुट में शामिल होंगी। अब महुआ मोइत्रा ने खुद सामने आकर अपनी बात साफ की है।

महुआ मोइत्रा ने कहा कि उनके इंटरव्यू के कुछ हिस्सों को चुनकर सनसनीखेज तरीके से पेश किया गया। उनका कहना है कि पूरी बातचीत को नजरअंदाज कर केवल कुछ "चटपटे हिस्सों" को उछाला गया ताकि लोगों का ध्यान खींचा जा सके।

BBC हिंदी और बांग्ला को दिए एक इंटरव्यू में महुआ मोइत्रा ने टीएमसी में चल रही अंदरूनी नाराजगी और बगावत पर खुलकर बात की। इस दौरान उन्होंने कहा कि सुवेंदु अधिकारी ने पार्टी छोड़ते समय अपना रुख साफ रखा था और इसी बात का वह सम्मान करती हैं।

महुआ ने कहा कि सुवेंदु अधिकारी

को यह समझ आ गया था कि जब तक अभिषेक बनर्जी पार्टी में प्रभावशाली भूमिका में रहेंगे, तब तक पार्टी का नियंत्रण उनके हाथ में नहीं आ सकता। इसलिए उन्होंने साफ तौर पर पार्टी छोड़कर बीजेपी का रास्ता चुना और पांच साल तक अपनी राजनीतिक लड़ाई लड़ी। महुआ के मुताबिक, "किसी व्यक्ति से राजनीतिक मतभेद हो सकते हैं, लेकिन अगर वह अपनी स्थिति स्पष्ट रखता है तो उसमें सम्मान करने जैसी बात होती है।"

बागी नेताओं पर साधा निशाना

महुआ मोइत्रा ने TMC छोड़ने या नेतृत्व के खिलाफ आवाज उठाने वाले नेताओं पर भी सवाल खड़े किए। उन्होंने कहा कि जो नेता आज अभिषेक बनर्जी की कार्यशैली पर सवाल उठा रहे हैं, वे पहले भी उसी नेतृत्व में चुनाव लड़ चुके हैं।

उन्होंने कहा कि अभिषेक बनर्जी आज पार्टी में नई भूमिका में नहीं आए हैं। 2021 के विधानसभा चुनाव में भी वह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी निभा रहे थे और पार्टी ने उनके नेतृत्व में शानदार जीत हासिल की थी।

महुआ ने सवाल किया कि अगर नेताओं को अभिषेक की कार्यशैली से दिक्कत थी तो उन्होंने पहले यह बात क्यों नहीं कही। चुनाव जीतने और पद हासिल करने के बाद अचानक विरोध करना राजनीतिक पाखंड जैसा लगता है।

ममता बनर्जी के समर्थन में उतरीं महुआ

इंटरव्यू में महुआ मोइत्रा ने स्पष्ट कहा कि वह पूरी तरह से ममता बनर्जी के साथ खड़ी हैं। उन्होंने कहा कि पार्टी के भीतर चर्चा और असहमति की हमेशा गुंजाइश रही है। महुआ ने बताया कि उन्होंने 2024 का लोकसभा चुनाव बिना किसी बाहरी राजनीतिक सलाहकार संस्था की मदद के लड़ा था। इससे साबित होता है कि पार्टी में हर नेता को अपनी बात रखने की स्वतंत्रता है। उन्होंने कहा कि यदि किसी नेता को पार्टी के कामकाज से परेशानी है तो वह पार्टी छोड़ सकता है, लेकिन ममता बनर्जी और अभिषेक बनर्जी की लोकप्रियता के सहारे चुनाव जीतने के बाद उन्हीं पर हमला करना सही नहीं है।

महुआ मोइत्रा ने इंटरव्यू में अपने और सुवेंदु अधिकारी के पुराने संबंधों के बारे में भी बात की। उन्होंने बताया कि दोनों एक समय अच्छे दोस्त थे और राजनीति के शुरूआती दौर में सुवेंदु ने उनकी काफी मदद की थी।

महुआ ने याद किया कि जब उन्होंने करीमपुर से चुनाव लड़ा था, तब प्रचार के लिए बहुत कम लोग आते थे। उस समय सुवेंदु अधिकारी उनके साथ खड़े रहे और चुनाव प्रचार में मदद की।

उन्होंने 2014 की एक घटना का भी जिक्र किया, जब उन्हें लोकसभा टिकट नहीं मिला था और वह काफी निराश थीं। उस समय सुवेंदु अधिकारी ने उनका हौसला बढ़ाया था।

महुआ मोइत्रा के इंटरव्यू के बाद बंगाल की राजनीति में नई बहस शुरू हो गई है। हालांकि महुआ ने साफ कर दिया है कि सुवेंदु अधिकारी की तारीफ का मतलब उनके राजनीतिक विचारों का समर्थन नहीं है, बल्कि उन्होंने केवल उनके फैसले को लेकर अपनी राय रखी थी। साथ ही उन्होंने दोहराया कि उनकी निष्ठा आज भी ममता बनर्जी और तृणमूल कांग्रेस के साथ है।

'अगर आप दिल्ली से चुनाव लड़ें तो 10 लाख वोटों से जीतेंगी', किसने ली मेलोनी की चुटकी?

(जीएनएस)।

इटली की पीएम जार्जिया मेलोनी प्रधानमंत्री Giorgia Meloni ने अपनी 2023 की भारत यात्रा से जुड़ा एक बेहद दिलचस्प और मजेदार किस्सा साझा किया है। उन्होंने अपनी नई किताब "Giorgia's Vision" में बताया कि जब वह नई दिल्ली पहुंचीं तो शहर की सड़कों पर जगह-जगह उनके स्वागत में बड़े-बड़े पोस्टर लगे हुए थे। इन पोस्टरों को देखकर उनका पूरा प्रतिनिधिमंडल हैरान रह गया था।

मेलोनी लिखती हैं कि भारत में जिस तरह उनका स्वागत हुआ, जिससे वे काफी इंप्रेस हुईं। सड़क किनारे हर कुछ दूरी पर उनके चेहरे वाले स्वागत संदेश दिखाई दे रहे थे। यही नहीं, जब उनकी यात्रा खत्म हुई और वह वापस लौट रही थीं, तब उन्हीं पोस्टरों पर "यात्रा के लिए धन्यवाद" लिखा हुआ था।

किताब के अनुसार, इस यात्रा में इटली के उप प्रधानमंत्री Antonio Tajani भी उनके साथ मौजूद थे। दिल्ली की सड़कों पर हर तरफ मेलोनी के पोस्टर देखकर उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा कि अगर मेलोनी नई दिल्ली लोकसभा सीट से चुनाव लड़ें, तो वह आराम से 10

लाख वोटों से जीत जाएंगी। यह टिप्पणी मजाक में कही गई थी, लेकिन इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि भारत में उनके स्वागत की भव्यता ने इटली के प्रतिनिधिमंडल को कितना प्रभावित किया था।

जॉर्जिया मेलोनी ने साल 2023 में दो बार भारत का दौरा किया था। पहला दौरा मार्च 2023 में हुआ था, जब उन्होंने नई दिल्ली में आयोजित Raisina Dialogue में हिस्सा लिया था। इसके बाद वह सितंबर 2023 में भारत लौटीं और नई दिल्ली में आयोजित G20 New Delhi Summit में शामिल हुईं। इन दोनों यात्राओं ने भारत और इटली के संबंधों को नई मजबूती दी। साथ ही दोनों देशों के नेताओं के बीच व्यक्तिगत स्तर पर भी बेहतर तालमेल देखने को मिला।

अपनी किताब के अध्याय "Head Held High Among the World Greats" में मेलोनी ने व्यक्तिगत कूटनीति की अहमियत पर खुलकर बात की है। उन्होंने बताया कि कई बार देशों के बीच रिश्ते सिर्फ आधिकारिक बैठकों से नहीं, बल्कि नेताओं के बीच बने व्यक्तिगत भरोसे और दोस्ती से भी मजबूत होते हैं। भारत के प्रधानमंत्री Narendra Modi और जॉर्जिया मेलोनी की दोस्ती सोशल मीडिया पर काफी लोकप्रिय रही है। दोनों नेताओं की तस्वीरें और वीडियो अक्सर वायरल होते रहे हैं। इसी वजह से सोशल मीडिया यूजर्स ने दोनों के नाम को मिलाकर "Melodi" नाम भी दे दिया था, जो काफी ट्रेंड हुआ।

मेलोनी का मानना है कि अंतरराष्ट्रीय संबंध केवल औपचारिक बैठकों और समझौतों तक सीमित नहीं होते। कई बार कॉफी पर हुई छोटी बातचीत, कोई मजेदार किस्सा या व्यक्तिगत अनुभव भी देशों के बीच मौजूद दूरियों को कम कर सकता है। उनकी मानें तो, नेताओं के बीच बना पर्सनल ट्रस्ट कई बार जटिल राजनीतिक मुद्दों को सुलझाने में बड़ी भूमिका निभाता है।

किताब में मेलोनी ने कई अन्य वैश्विक नेताओं से जुड़ी यादगार घटनाओं का भी जिक्र किया है। उन्होंने बताया कि Kais Saied ने एक लंबी बैठक के बाद उन्हें समुद्र का खूबसूरत नजारा दिखाने के लिए अपने आवास पर आने का न्योता दिया था। वहीं Aleksandar ने उनके जन्मदिन पर संतरी रंग के गुलाब भेंट किए थे। इसके अलावा Edi Rama के साथ अपनी गहरी दोस्ती का भी उन्होंने उल्लेख किया है।

बेटी के लिए मिला 'Hello Kitty' गिफ्ट

मेलोनी ने यह भी बताया कि Fumio Kishida ने हिरोशिमा में हुए G7 सम्मेलन के दौरान उनकी बेटी के लिए 'Hello Kitty' डॉल गिफ्ट की थी। वहीं पोलैंड के पूर्व प्रधानमंत्री Mateusz Morawiecki उन्हें एक ऐसे कैफे में लेकर गए थे, जो उनकी पसंदीदा किताबों की सीरीज The Lord of the Rings की थीम पर आधारित था।

किताब में दिखी कूटनीति की मानवीय तस्वीर

मेलोनी का कहना है कि कूटनीति सिर्फ राजनीतिक हितों का खेल नहीं है। इसमें सम्मान, विश्वास, दोस्ती और मानवीय जुड़ाव की भी बड़ी भूमिका होती है। भारत में मिला शानदार स्वागत और प्रधानमंत्री मोदी के साथ उनकी दोस्ती इसी बात का उदाहरण है।

गोरखपुर में सीएम योगी ने किया अक्षय पात्र की मेगा किचन का उद्घाटन; 1 घंटे में बनेंगी 40,000 रोटियां, 1 लाख बच्चों को मिलेगा भोजन

2.5 एकड़ में फैली यह गैस व स्टीम आधारित हाइब्रिड रसोई पीएम पोषण योजना के तहत रोजाना 1 लाख बच्चों के लिए भोजन तैयार करेगी.

(जीएनएस)।

गोरखपुरः उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर में गुरुवार को अक्षय पात्र फाउंडेशन द्वारा स्थापित अत्याधुनिक केंद्रीय रसोई (सेंट्रल किचन) का विधिवत उद्घाटन किया. इस अवसर पर उन्होंने कहा कि प्रदेश के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण और पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है.

उन्होंने कहा कि इस तरह की अभिनव और सामाजिक पहल समाज के उज्जवल भविष्य के निर्माण की मजबूत आधारशिला साबित होती हैं. मुख्यमंत्री ने कहा कि गोरखपुर में निर्मित यह नई केंद्रीय रसोई पूरी तरह से आधुनिक तकनीकों और स्वचालित प्रणालियों से सुसज्जित है.

लाखों बच्चों को मिलेगा मिड-डे मीलः इस हाईटेक रसोई में प्रतिदिन बहुत बड़ी मात्रा में पूरी तरह स्वच्छ, पौष्टिक और संतुलित भोजन तैयार किया जाएगा. इस विशाल रसोई के माध्यम से गोरखपुर सहित आसपास के ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों के विद्यालयों में अध्ययनरत लाखों बच्चों को मिड-डे मील योजना के अंतर्गत गरम भोजन उपलब्ध कराया जाएगा. सीएम योगी ने कहा कि अक्षय पात्र फाउंडेशन की यह पहल बच्चों में कुपोषण की समस्या को कम करने और शिक्षा के प्रति उनकी रुचि बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी. मुख्यमंत्री ने फाउंडेशन के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि वर्ष 2019 से गोरखपुर में शुरू हुआ यह अभियान अब और व्यापक रूप ले रहा है.

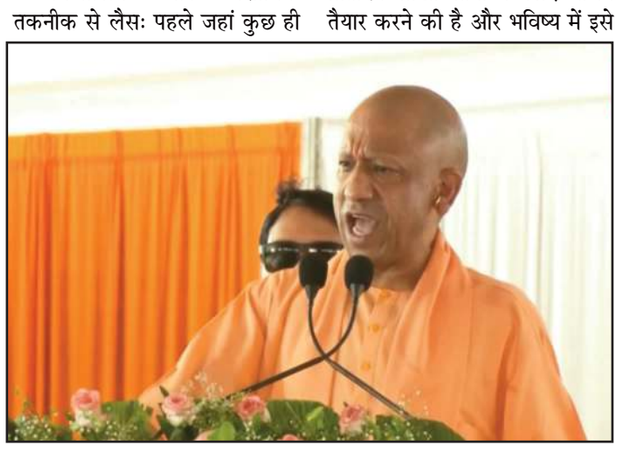

स्वचालित और वैज्ञानिक तकनीक से लैसः पहले जहां कुछ ही हजार बच्चों तक भोजन पहुंचता था, वहीं अब इस नई हाईटेक रसोई के माध्यम से यह संख्या लाखों तक आसानी से पहुंचाई जाएगी. उन्होंने सामाजिक संदेश देते हुए कहा कि कोई भी बच्चा भूखा न रहे यह संकल्प तभी साकार होगा जब सरकार और समाज मिलकर ऐसे प्रयास करें. इस अत्याधुनिक रसोई में भोजन निर्माण की पूरी प्रक्रिया पूरी तरह से स्वचालित, संपर्क रहित और वैज्ञानिक है. यहां उच्च गुणवत्ता वाले बड़े और आधुनिक उपकरणों के माध्यम से भोजन तैयार किया जाता है जिससे स्वच्छता और पोषण दोनों स्तर सुनिश्चित होते हैं.

इलेक्ट्रिक वाहनों से होगा भोजन वितरणः इसके साथ ही सौर ऊर्जा का उपयोग, जल संरक्षण और अपशिष्ट प्रबंधन जैसी आधुनिक व्यवस्थाएं इसे पूरी तरह पर्यावरण के अनुकूल बनाती हैं. फाउंडेशन के पदाधिकारियों ने बताया कि इस रसोई की क्षमता प्रतिदिन लाखों लोगों के लिए भोजन तैयार करने की है और भविष्य में इसे और विस्तार दिया जाएगा. इसके साथ ही जनपद के अधिक से अधिक प्राथमिक और उच्च प्राथमिक विद्यालयों को इससे जोड़ने की विस्तृत योजना है ताकि ज्यादा से ज्यादा बच्चों को इसका लाभ मिल सके. इस गरिमामयी कार्यक्रम में प्रशासनिक अधिकारी, जनप्रतिनिधि, शिक्षा विभाग के आला अधिकारी और अन्य गणमान्य लोग मुख्य रूप से उपस्थित रहे.

प्रतिदिन 1 लाख थाली की क्षमताः सभी उपस्थित अतिथियों ने इस पहल को सराहनीय बताते हुए कहा कि यह न केवल बच्चों के स्वास्थ्य को बेहतर बनाएगी, बल्कि प्रदेश के समग्र विकास में भी महत्वपूर्ण योगदान देगी. देशभर में स्कूली पोषण को सुदृढ़ बनाने की अपनी निरंतर प्रतिबद्धता को आगे बढ़ाते हुए द अक्षय पात्र फाउंडेशन के 25वें वर्ष में स्थापित यह नई सुविधा एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है. यह रसोई पीएम पोषण योजना के अंतर्गत गोरखपुर एवं आसपास के क्षेत्रों के बच्चों के लिए प्रतिदिन 1 लाख गर्म, पौष्टिक एवं संतुलित भोजन तैयार करने और वितरित करने की क्षमता रखती है. लगभग 2.5 एकड़ के विशाल क्षेत्र में निर्मित यह रसोई गैस एवं स्टीम आधारित हाइब्रिड परिचालन मॉडल पर कार्य करती है.

एक घंटे में बनेंगी 40 हजार रोटियांः यह हाइब्रिड मॉडल पर्यावरणीय स्थिरता और परिचालन दक्षता के प्रति फाउंडेशन की मजबूत प्रतिबद्धता को प्रत्यक्ष रूप से दर्शाता है. वर्तमान में यह अत्याधुनिक सुविधा भोजन को समय पर स्कूलों तक पहुंचाने के लिए 23 इलेक्ट्रिक वाहनों के बेड़े का संचालन कर रही है. इन इलेक्ट्रिक वाहनों के प्रयोग से कार्बन उत्सर्जन में भारी कमी लाने और क्षेत्रीय स्कूल भोजन वितरण प्रणाली को सुदृढ़ करने में बड़ी सहायता मिलती है. रसोई परिसर में जल संरक्षण हेतु उन्नत प्रणालियाँ स्थापित की गई हैं, जिनमें वर्षा जल संचयन अवसंरचना और 2 लाख लीटर क्षमता वाला अपशिष्ट जल शोधन संयंत्र शामिल है. विशेषीकृत रसोई उपकरणों में दो विशाल रोटी निर्माण मशीनें लगाई गई हैं, जिनकी संयुक्त क्षमता प्रति घंटे 40,000 रोटियां तैयार करने की है जिससे बड़े स्तर पर भोजन उत्पादन में निरंतरता सुनिश्चित होती है.

मुरादाबाद आएंगे सीएम योगी और राजनाथ सिंह, वार मेमोरियल की तैयारियां परखने पहुंचे मेजर जनरल

(जीएनएस)।

मुरादाबाद, मुरादाबाद के बुद्धि विहार स्थित त्रिशूल भारतीय रक्षा संग्रहालय के प्रस्तावित लोकार्पण की तैयारियों का जायजा लेने सेना के उत्तर भारत मुख्यालय से मेजर जनरल आईएस गिल पहुंचे। उन्होंने नगर निगम अधिकारियों के साथ तैयारियों की समीक्षा की। निगम प्रशासन के अनुसार, संग्रहालय का उद्घाटन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के हाथों अगले सप्ताह कराए जाने की तैयारी है।

मुरादाबाद के बुद्धि विहार स्थित त्रिशूल भारतीय रक्षा संग्रहालय के लोकार्पण की तैयारियों का जायजा लेने के लिए सेना के उत्तर भारत मुख्यालय से मेजर जनरल आईएस गिल मुरादाबाद पहुंचे। उन्होंने नगर निगम द्वारा विकसित किए गए संग्रहालय के प्रस्तावित लोकार्पण कार्यक्रम की तैयारियों की समीक्षा की।

मुरादाबाद पहुंचने पर नगर आयुक्त दिव्यांशु पटेल ने सर्किट हाउस में मेजर जनरल गिल का स्वागत किया। नगर आयुक्त ने उन्हें संग्रहालय की अहम जानकारियां, उसमें लगाई गई प्रदर्शनी, राष्ट्रभक्ति और सैन्य गौरव को सहेजने में उसकी भूमिका तथा प्रस्तावित लोकार्पण कार्यक्रम की विस्तृत रूपरेखा बताई।

नगर आयुक्त ने बताया कि यह संग्रहालय देश की सैन्य परंपराओं, वीरता, शौर्य और बलिदान को आमजन, खासकर युवाओं तक पहुंचाने का माध्यम बनेगा। संग्रहालय में भारतीय सशस्त्र सेनाओं के गौरवशाली इतिहास, सैन्य उपकरणों, युद्ध से जुड़ी जानकारियों और राष्ट्ररक्षा के विभिन्न पहलुओं को आधुनिक व आकर्षक ढंग से प्रस्तुत किया गया है।

मेजर जनरल आईएस गिल ने संग्रहालय से जुड़ी प्रस्तुत जानकारी का अवलोकन किया और लोकार्पण कार्यक्रम की तैयारियों पर चर्चा करते हुए जरूरी बिंदुओं पर मार्गदर्शन दिया। निगम प्रशासन का कहना है कि वार मेमोरियल का उद्घाटन सीएम योगी आदित्यनाथ और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के हाथों किया जाना प्रस्तावित है। उम्मीद है कि अगले सप्ताह इसका लोकार्पण हो जाएगा।

शादी के महज 9 दिन बाद हुई विधवा, सीएम योगी की तारीफ पर सपा ने निकाला, जानिए कौन हैं पूजा पाल जिन्हें यूपी बीजेपी में मिली बड़ी जिम्मेदारी

समाजवादी पार्टी ने जिस विधायक को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की तारीफ करने पर पार्टी से निकाला था, उसे अब बीजेपी ने संगठन में बड़ी जिम्मेदारी सौंपी है. बीजेपी ने चायल से विधायक पूजा पाल को प्रदेश उपाध्यक्ष बनाया है.

(जीएनएस)।

लखनऊ. यूपी बीजेपी की नई टीम में सपा की बागी विधायक पूजा पाल को बड़ी जिम्मेदारी सौंपी गई है. पूजा पाल कौशांबी की चायल सीट से समाजवादी पार्टी की विधायक थीं. लेकिन बजट सत्र के दौरान विधानसभा में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की तारीफ के बाद समाजवादी पार्टी ने उन्हें बाहर का रास्ता दिखा दिया था. तभी से कयास लगाए जा रहे थे कि उन्हें पार्टी संगठन में या फिर सरकार में जगह मिल सकती है. हालांकि, मंत्रिमंडल विस्तार में उन्हें जगह नहीं मिली, लेकिन प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी की नई टीम में उन्हें उपाध्यक्ष बनाया गया है. पूजा पाल का व्यक्तिगत और राजनीतिक सफर काफी चुनौती भरा रहा है.

पूजा पाल बसपा विधायक राजू पाल की पत्नी थीं, जिनकी हत्या अतीक अहमद के गुर्गों ने 2005 के कर दी थी. पूजा पाल बेहद ही गरीब परिवार में जन्मी थीं. उनके पिता पंक्चर बनाने का काम करते थे. परिवार का हाथ बटाने के लिए पूजा पाल ने एक अस्पताल में नौकरी शुरू की. वहीं 2004 में उनकी मुलाकात राजू पाल से हुई. 2004 मायावती ने राजू पाल को प्रयागराज पश्चिम सीट से टिकट दिया. राजू पाल ने अतीक के भाई अशरफ को हराकर जीत दर्ज की. इसके बाद राजू पाल ने 2005 में पूजा पाल से शादी की. शादी के महज 9 दिन बाद पूजा पाल के मांग का सिन्दूर उजड़ गया. 25 जनवरी 2005 को भाई के हार से गुस्साए अतीक अहमद ने राजू पाल की हत्या करवा दी. उस वक्त प्रदेश में मुलायम सिंह यादव की सरकार थी. तभी से पूजा पाल अतीक अहमद के खिलाफ इंसाफ की जंग लड़ रही थीं. लेकिन जब योगी राज में अतीक और अशरफ का अंत हुआ तो उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की तारीफ कर दी. जिसका खामियाजा यह हुआ कि समाजवादी पार्टी ने उन्हें बाहर का रास्ता दिखा दिया. जिसके बाद उन्होंने बीजेपी का दामन थाम लिया.

ऐसे शुरू हुआ सियासी सफर

राजू पाल की हत्या के बाद 2007 में मायावती ने पूजा पाल को प्रयागराज पश्चिम से प्रत्याशी बनाया. पूजा पाल ने चुनाव में अतीक के भाई अशरफ को हराकर सीट जीत ली. इसके बाद 2012 में एक बार फिर उन्होंने जीत हासिल की. 2017 के विधानसभा चुनाव में बीजेपी सिद्धार्थनाथ सिंह ने

लखनऊ जाने वाले यात्रियों के लिए जरूरी खबरः अमृत भारत एक्सप्रेस का ठहराव रद, कई ट्रेनों का रूट बदला

(जीएनएस)।

धनबाद। क्ल्ल्ल्लि फ्रं वस्रंशी धनबाद होकर चलने वाली हावड़ा-आनंदविहार साप्ताहिक अमृत भारत एक्सप्रेस 16 जुलाई से 10 सितंबर तक परिवर्तित मार्ग से चलेगी। मार्ग परिवर्तन के कारण ट्रेन का ठहराव लखनऊ स्टेशन पर नहीं होगा। लखनऊ के बदले उतरेटिया और आलम नगर में अतिरिक्त ठहराव होगा।

उत्तर रेलवे के लखनऊ स्टेशन पर अलग-अलग दिनों में ट्रैफिक ब्लाक के कारण मार्ग परिवर्तन होगा। अमृत भारत के अलावे हावड़ा-देहरादून उपासना एक्सप्रेस और कुंभ एक्सप्रेस भी मार्ग बदल कर चलेंगी। रेलवे ने इन ट्रेनों को उतरेटिया, लखनऊ व आलम नगर के बदले तरेटिया, ट्रांसपोर्ट नगर व आलम नगर होकर चलाने की घोषणा की है।

इन तिथियों में प्रभावित रहेंगी ट्रेनें

13065 हावड़ा-आनंद विहार अमृत भारत एक्सप्रेस : 16, 23 व 30 जुलाई; 6, 13, 20 व 27 अगस्त; तथा 3 व 10 सितंबर को प्रभावित रहेगी।

13035 हावड़ा-देहरादून उपासना एक्सप्रेस : 13 सितंबर तक प्रभावित रहेगी।

13036 देहरादून-हावड़ा उपासना एक्सप्रेस : 13 सितंबर तक प्रभावित रहेगी।

13037 हावड़ा-देहरादून कुंभ एक्सप्रेस : 13 सितंबर तक प्रभावित रहेगी। 13038 देहरादून-हावड़ा कुंभ एक्सप्रेस : 13 सितंबर तक प्रभावित रहेगी।

शनिवार को 40 मिनट लेट चलेगी आसनसोल-गया मेमू

आसनसोल-गया मेमू शनिवार को 40 मिनट लेट से चलेगी। पूर्व रेल से जारी सूचना में बताया गया कि आसनसोल मंडल के कुल्टी-बराकर स्टेशन के बीच रोड ओवरब्रिज को तोड़ने के लिए दोपहर एक से तीन बजे तक ट्रैफिक ब्लाक लिया जाएगा। इस कारण आसनसोल-गया मेमू दोपहर 1:45 के बदले 2:25 पर खुलेगी।

पीलीभीत में जल्द शुरू होगी तेंदुआ सफारी, लखनऊ में स्थापित होगा स्नेक वेनम एक्सट्रैक्शन सेंटर

सफारी प्रदेश में वन्यजीव पर्यटन को नई पहचान देने के साथ-साथ पर्यटकों के लिए एक नया आकर्षण का केंद्र बनेगी.

(जीएनएस)।

लखनऊः पीलीभीत में लेपर्ड की लगातार बढ़ती संख्या को देखते हुए, वहां जल्द ही एक अत्याधुनिक लेपर्ड सफारी विकसित की जाएगी. इसके लिए वन विभाग ने डीपीआर तैयार कर लिया गया है. विभागीय मंत्री अरुण सक्सेना ने कहा कि यह सफारी प्रदेश में वन्यजीव पर्यटन को नई पहचान देने के साथ-साथ पर्यटकों के लिए एक नया आकर्षण केंद्र बनेगी. इटावा लायन सफारी की समीक्षा के दौरान वहां की आधारभूत सुविधाओं और लंबित कार्यों को शीघ्र ही पूर्ण करने का निर्देश दिया गया.

बता दें कि प्रदेश के पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन राज्य मंत्री डॉ. अरुण कुमार सक्सेना के नेतृत्व में पीलीभीत टाइगर रिजर्व, दुधवा नेशनल पार्क, इटावा लायन सफारी, कानपुर प्राणी उद्यान और नवाब वाजिद अली शाह प्राणी उद्यान के साथ लखनऊ की प्रगति कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई. बैठक में वन्यजीव संरक्षण, पर्यटक सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण व इको-टूरिज्म को बढ़ावा देने से संबंधित विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई.

बैठक के दौरान लखनऊ में स्नेक वेनम एक्सट्रैक्शन सेंटर की स्थापना की प्रगति की भी समीक्षा की गई. निर्देश दिए गए कि इस महत्वपूर्ण परियोजना को जल्द से जल्द मूर्त रूप दिया जाए, जिससे सर्पदंश उपचार, विष अनुसंधान और जनहित से जुड़े कार्यों को नई गति मिल सके.

चिड़ियाघरों के निदेशकों को निर्देशित किया गया कि प्राणी उद्यानों में वन्यजीवों की उपलब्धता, स्वास्थ्य और संरक्षण संबंधी व्यवस्थाओं पर विशेष ध्यान दिया जाए, साथ ही पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए नवीन गतिविधियों, सुविधाओं और जन-जागरूकता कार्यक्रमों का प्रभावी संचालन सुनिश्चित किया जाए, जिससे आगंतुकों की संख्या में बढ़ोतरी हो सके.

बैठक में वन्यजीव संरक्षण, जैव विविधता संवर्धन और प्रदेश में पर्यावरण-अनुकूल पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए चल रही योजनाओं एवं परियोजनाओं की प्रगति की भी विस्तृत समीक्षा की गई. बैठक में प्रमुख सचिव पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन वी. हेकाली झिमोमी, पीसीसीएफ वाइल्ड लाइफ अनुराधा बेमूरी सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित थे.

हिंद महासागर में चीन को जवाब? ग्लोबल साउथ से समुद्री कूटनीति तक, सेशेल्स दौरे पर पीएम मोदी का बड़ा एजेंडा

पीएम नरेंद्र मोदी सेशेल्स के राष्ट्रपति हर्मिनी के साथ द्विपक्षीय वार्ता करेंगे, जिसमें दोनों देशों के बीच सहयोग के विभिन्न क्षेत्रों की समीक्षा और क्षेत्रीय व वैश्विक मुद्दों पर चर्चा होगी. प्रधानमंत्री सेशेल्स की राष्ट्रीय विधानसभा को भी संबोधित करेंगे और भारतीय समुदाय के लोगों से मुलाकात करेंगे.

(जीएनएस)।

नई दिल्ली. सेशेल्स के राष्ट्रीय दिवस के स्वर्ण जयंती समारोह शामिल होने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 27 से 29 जून तक सेशेल्स की राजकीय यात्रा पर रहेंगे. यह यात्रा भारत और सेशेल्स के बीच मजबूत दोस्ती, समुद्री सहयोग और आपसी साझेदारी को नई मजबूती देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है.

वि देश मंत्रालय के अनुसार पीएम मोदी की सेशेल्स की यह राजकीय यात्रा राष्ट्रपति डॉ. पैट्रिक हर्मिनी के निमंत्रण पर हो रही है. प्रधानमंत्री मोदी इससे पहले वर्ष 2015 में सेशेल्स गए थे. इस बार सेशेल्स

अपने राष्ट्रीय दिवस की स्वर्ण जयंती 50वीं वर्षगांठ मना रहा है, जि समें प्रधानमंत्री मोदी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे. समारोह में भारतीय रक्षा बलों का एक दल और भारतीय नौसेना के दो युद्धपोत भी हिस्सा लेंगे.

यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री मोदी राष्ट्रपति हर्मिनी के साथ बैठक करेंगे. दोनों नेता भारत और सेशेल्स के बीच सहयोग के सभी क्षेत्रों की समीक्षा करेंगे और क्षेत्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर अपने विचार साझा करेंगे. इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी सेशेल्स की नेशनल असेंबली को भी संबोधित करेंगे और वहां रहने वाले भारतीय समुदाय के लोगों से मुलाकात करेंगे.

भारत और सेशेल्स के बीच लंबे समय से मजबूत और दोस्ताना संबंध रहे हैं। ये संबंध साझा इतिहास, संस्कृति और लोगों के आपसी जुड़ाव पर आधारित हैं. हिंद महासागर क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण समुद्री पड़ोसी होने के नाते सेशेल्स भारत की 'महासागर' (म्यूचुअल एंड होलिस्टिक एडवांसमेंट फॉर सिक्योरिटी एंड ग्रोथ अक्रॉस रीजंस) की सोच और ग्लोबल साउथ के प्रति हमारी प्रतिबद्धता में खास महत्व रखता है.

यह यात्रा भारत और सेशेल्स के बीच गहरी और मजबूत दोस्ती को और मजबूत करेगी। साथ ही दोनों देशों की हर क्षेत्र में आपसी सहयोग बढ़ाने की साझा प्रतिबद्धता को भी आगे बढ़ाएगी. इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के देश के सबसे लंबे समय तक निर्वाचित प्रधानमंत्री बनने पर राष्ट्रपति पैट्रिक हर्मिनी ने उन्हें बधाई और शुभकामनाएं दी थीं. इस पर पीएम मोदी ने पैट्रिक हर्मिनी का आभार भी जताया. पीएम ने कहा कि आपकी शुभकामनाओं के लिए धन्यवाद. समुद्री पड़ोसी और भरोसेमंद साझेदार के तौर पर भारत हमारे गहरे और बहुआयामी संबंधों को और मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध है.

'यहूदी समाज भी अब तुमसे तंग आ चुका है', फिर लीक हुई अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की बातचीत, किसने- किसे सुनाया?

(जीएनएस)।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के रिश्तों को लंबे समय से काफी करीबी माना जाता रहा है। लेकिन पिछले कुछ दिनों से दोनों के बीच ईरान युद्ध को लेकर तनावपूर्ण बातचीत होती रही है। अब एक नई किताब में दावा किया गया है कि सितंबर 2025 में दोनों नेताओं के बीच हुई एक फोन कॉल बेहद तनावपूर्ण और तीखी थी। किताब के मुताबिक, इस बातचीत के दौरान ट्रंप ने नेतन्याहू पर गुस्सा जाहिर करते हुए यहां तक कह दिया था कि पूरी दुनिया और यहां तक कि यहूदी समुदाय भी उनसे तंग आ चुका है।

किस किताब में किया गया है यह दावा?

यह दावा न्यूयॉर्क टाइम्स के वरिष्ठ पत्रकारों मैगी हैबरमैन और जोनाथन स्वान की किताब "Regime Change: Inside the Imperial Presidency of Donald Trump" में किया गया है। यह किताब मुख्य रूप से ट्रंप के दूसरे कार्यकाल, उनकी विदेश नीति और वैश्विक मुद्दों पर लिए गए फैसलों पर आधारित है। इसमें अमेरिका द्वारा इजरायल और हमास के बीच युद्धविराम कराने की कोशिशों का भी विस्तार से जिक्र किया गया है।

सितंबर 2025 की फोन कॉल में क्या हुआ था?

किताब के मुताबिक, सितंबर 2025 में संयुक्त राष्ट्र महासभा (UNGA) का सत्र चल रहा था। उस समय ट्रंप गाजा युद्ध को खत्म कराने और युद्ध के बाद पुनर्निर्माण की प्रक्रिया शुरू करने के लिए दबाव बना रहे थे। इसी दौरान ट्रंप और नेतन्याहू के बीच फोन पर लंबी बातचीत हुई, जो बाद में तीखी बहस में बदल गई। किताब में हुए बातचीत के जिक्र के मुताबिक, ट्रंप अमेरिकी प्रस्ताव को लेकर नेतन्याहू की हिचकिचाहट से काफी नाराज थे। इसी दौरान उन्होंने कथित तौर पर कहा-

"बीबी, हर कोई तुमसे थक चुका है। सभी यहूदी तुमसे परेशान हैं।"

जारेड कुशनर और स्टीव विटकॉफ का भी हुआ जिक्र

किताब में दावा किया गया है कि ट्रंप ने इस बातचीत के दौरान अमेरिकी प्रशासन के दो प्रमुख यहूदी अधिकारियों का भी जिक्र किया था। उन्होंने कहा कि इस कॉल पर मौजूद दोनों यहूदी अधिकारी भी नेतन्याहू से परेशान हैं। रिपोर्टों के मुताबिक, ट्रंप का इशारा उनके दामाद जारेड कुशनर और अमेरिकी अधिकारी स्टीव विटकॉफ की ओर था। दोनों उस समय मध्य पूर्व से जुड़े महत्वपूर्ण मामलों और वार्ताओं में सक्रिय भूमिका निभा रहे थे।

युद्धविराम समझौते से पीछे न हटने की चेतावनी

बताया जाता है कि ट्रंप ने नेतन्याहू को साफ शब्दों में कहा था कि वे अमेरिका समर्थित गाजा युद्धविराम समझौते से पीछे नहीं हट सकते। उन्होंने यह भी याद दिलाया कि वह हमेशा इजरायल के सबसे बड़े समर्थकों में रहे हैं। किताब के मुताबिक ट्रंप ने कहा, "मैं इजरायल का अब तक का सबसे अच्छा दोस्त रहा हूं। लोग तुमसे नफरत करते हैं, लेकिन मैंने हमेशा तुम्हारा साथ दिया है।"

कतर में हमले के बाद बढ़ा था तनाव

दोनों नेताओं के बीच बढ़ी तल्खी की एक वजह सितंबर 2025 की शुरूआत में हुआ एक विवादित इजरायली हवाई हमला भी था। उस समय इजरायल ने कतर में हमास नेतृत्व को निशाना बनाकर हमला किया था। यह हमला ऐसे समय हुआ जब हमास के नेता तेल अवीव के साथ संभावित युद्धविराम समझौते पर चर्चा करने की तैयारी कर रहे थे। हालांकि इस हमले में हमास के शीर्ष नेता बच गए, लेकिन कुछ लड़ाके और एक कतरी सुरक्षा गार्ड की मौत हो गई थी।

अमेरिकी प्रशासन था नाराज

इस सैन्य कार्रवाई से युद्धविराम की कोशिशों को बड़ा झटका लगा था। किताब के अनुसार, अमेरिकी प्रशासन इस घटना से बेहद नाराज था क्योंकि इससे शांति वार्ता प्रभावित हुई थी। किताब में यह भी दावा किया गया है कि ट्रंप ने अपने दूसरे कार्यकाल के शुरूआती दिनों में निजी बातचीत में नेतन्याहू को "उङ्गल्ल टंल्ल" यानी "धोखेबाज" तक कहा था।